



मनरेगा की जगह
वीवी-जी...

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



विवेकी कौशल की
महावतार में...

11

वर्ष - 02, अंक - 199

गाजियाबाद / बुधवार 21 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

विजयादशमी: दिल्ली में हुआ रावण दहन



■ द्वारका में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रामलीला मैदानों में राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में आयोजित दशहरा समारोह में पहुंचीं। यहां द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीलाओं का मंचन प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा है। यह अत्याचार के अंत और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है।

भागवत का संबोधन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने विजयादशमी भाषण की सराहना की, आत्मनिर्भरता, सेवा, चरित्र निर्माण और पंच परिवर्तन को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन को अत्यंत प्रेरणादायी बताया हुए कहा कि इसमें राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे गए हैं। उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण पर दिए गए जोर की सराहना करते हुए कहा कि ये संघ के स्वयंसेवकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर भागवत का संबोधन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। भागवत ने अपने संबोधन में आत्म-



जागरूकता, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा विविधता के बीच एकता का संदेश देती है। समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता और आपसी

सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। भागवत ने पंच परिवर्तन को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध एवं स्वदेशी और

नागरिक अनुशासन हैं। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने से ही समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। उनके अनुसार, इन विषयों की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के दूसरे देश भी इनकी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चलाए गए जनसंपर्क अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन ने देशभर के गांवों और शहरों बस्तियों तक पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भागवत के संबोधन में उठाए गए मुद्दों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। संबोधन में राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत आचरण में सुधार और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

वाराणसी : 22 से 25

तक होगा भव्य एयर शो



वाराणसी, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी के नमी घाट पर 22, 24 और 25 अक्टूबर को भव्य एयर शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए वायुसेना ने नमी घाट परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया है। इससे पहले 21 अक्टूबर को (आज) सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक अंतिम अभ्यास होगा। इसमें 20 से अधिक आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर गंगा के ऊपर करतब दिखाएंगे। सुरक्षा कारणों से नमी घाट पर आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लोग अस्सी घाट से राजघाट तक विभिन्न घाटों से एयर शो देख सकेंगे। चंदौली के लोग डोमरी से रामनगर के बीच नदी तट और मैदानी इलाकों से विमानों का प्रदर्शन देख पाएंगे। प्रशासन का अनुमान है कि एयर शो देखने के लिए वाराणसी और आसपास के जिलों से 20 लाख से अधिक लोग पहुंच सकते हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा के लिए पांच हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की इ्युटी लगाई गई है। गाजीपुर, जौनपुर और चंदौली के प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ममता बनर्जी ने सीजेपी

नेताओं की तत्काल

रिहाई की मांग की



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष चंद्रा और सौरव दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। जंतर-मंतर पर कथित अनधिकृत प्रवेश के मामले में दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे राज्य-प्रायोजित आतंकवादकार दारिद।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरोप लगाया कि युवाओं को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। दोनों नेताओं को 14 अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोमवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने हिरासत बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त कानूनी दलीलें पेश नहीं कीं। उन्होंने दोनों नेताओं की रिहाई की मांग की। मामला जंतर-मंतर पर कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने से जुड़ा है। ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वालों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

अमित शाह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, बोले-

पंजाब में नशे की पुड़िया कैसे पहुंच रही?

- 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़े जाने का किया जिक्र
- नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत पर जताया दुख

लुधियाना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के कारोबार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि जब बंदरगाहों पर 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़ी गई, तो पंजाब में नशा पुड़िया बनकर कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

विजयादशमी के अवसर पर लुधियाना पहुंचे शाह ने गुरदासपुर,



संगरूर और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की मौत और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर के 40 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, संगरूर के गुलजार सिंह और मानसा के परविंदर सिंह झोटा से जुड़े मामलों ने उन्हें गहरे तक झकझोर दिया है।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दुखद घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है, लेकिन पंजाब के

लोगों की पीड़ा सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन परिवारों ने अपने बेटे, भाई या पति को खोया है, उन्हें पंजाब सरकार क्या जवाब देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि वह पहले भी पंजाब में नशे के खिलाफ आयोजित भाजपा की रैली में कारोबार समाप्त करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के मुद्दे पर कार्रवाई के बजाय उन पर ही आरोप लगाए गए।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे तलाशकर कानून के हवाले किया जाएगा। उन्होंने पंजाब सरकार से नशे और चिट्ठे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामले पर
विपक्ष ने फडणवीस सरकार को घेरा

हमलावरों के आकाओं को कहीं से भी दूँढकर निकालेंगे : फडणवीस

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम हुई गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हमले में टाइगर बाल-बाल बच गए, जबकि उनकी चालक घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। टाइगर को भी हल्की चोटें आने की जानकारी सामने आई है। विपक्षी दलों ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राज्य में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमलावरों के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि साजिश के मुख्य आरोपी राज्य से बाहर या विदेश में रहकर काम कर रहे हैं।



भारत-यूईई संबंध व्यापक रणनीतिक

साझेदारी के वादे पर खरे उतर रहे : जयशंकर

मुंबई, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में लगातार मजबूत हो रहे हैं। मुंबई में यूएई के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और उनके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार संपर्क से द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। इस वर्ष जनवरी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा, फरवरी में क्राउन प्रिंस शेख खालिद की भारत यात्रा और मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा ने संबंधों की गहराई को दर्शाया है।

उन्होंने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद



दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है। रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच भारत संवाद और कूटनीति के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। भारत व्यापार, ऊर्जा और उर्वरकों की निर्यात एवं सुरक्षित आपूर्ति के पक्ष में है। उन्होंने यूएई में भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार भी जताया।

बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से टकराया पक्षी

सभी 148 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स2065 पक्षी से टकरा गई। हालांकि, विमान ने मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने में सफलता हासिल की। विमान में सवार सभी 148 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

लैंडिंग के बाद विमान को पार्किंग स्थल पर ले जाया गया। मानक सुरक्षा प्रक्रिया के तहत तकनीकी टीम ने विमान की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि उसके ढांचे और इंजन को हुए संभावित नुकसान का पता लगाया जा सके। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा हालात के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए कई उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद, जेद्दा तथा दमाम के लिए उड़ानों का निर्लंबन 20 अक्टूबर तक बढ़ाया है। इंडिगो ने इन शहरों के साथ मदीना के लिए भी 24 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द की हैं। अकासा एयर ने रियाद के लिए 24 अक्टूबर और जेद्दा के लिए 21 अक्टूबर तक सेवाएं निलंबित रखी हैं।

22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे अखिलेश यादव, आजम खान से जेल में करेंगे मुलाकात



रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे। इस दौरान वह जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आजम खां के परिवार से भी मिलने का कार्यक्रम है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से निजी विमान से रवाना होंगे। सुबह 11:45 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से रामपुर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर 12:20 बजे जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा जिला कारागार जाएंगे। दोपहर 12:45 बजे आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:45 बजे वह जेल रोड स्थित आजम खां के आवास पहुंचकर उनके परिवार से मिलेंगे। दोपहर 2:30 बजे आवास से रवाना होकर जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए बरेली के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ दिन पहले आजम खां की पत्नी और पूर्व सांसद तजीन फातिमा ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उस दौरान अखिलेश ने जल्द रामपुर आने का आश्वासन दिया था। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दौरे की तैयारियां की जा रही हैं।

कोलकाता के बाजार में भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

कोलकाता, (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के बाधा जतिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को लगाया गया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार सुबह करीब चार बजे पूजा सामग्री बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग

ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी और नेताजी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई।

दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बाजार के दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। शुरूआती अनुमान में करीब 15 दुकानों के जलने की बात

सामने आई है। नुकसान का वास्तविक आकलन जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा।

आग के कारण गरिया और जादवपुर को जोड़ने वाली राजा एससी मल्लिक रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार पहुंचे। त्योहार के समय दुकानों में आग लगने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। जादवपुर से भाजपा विधायक शरभरी मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं।



मणिपुर में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के 3 जवान घायल

गोलीबारी में तीन ग्रामीणों की मौत

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार देर रात हुए आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, इंफाल पूर्व से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, चार लोग घायल हुए और तीन के लापता होने की सूचना है। पुलिस के अनुसार, विस्फोट सिंगजामेई थाने के पास कक्वा लंदईबंग लंपक इलाके में हुआ। घायल जवानों की पहचान सी. सुनम्बलम (58), रमेश कुमार (57) और पबित्रा कुमार जेना (56) के रूप में हुई है। तीनों को इलाज के लिए इंफाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि पुलिस मामले में मिले सुरागों की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार, 1 नवंबर से पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक शीतकालीन कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके तहत वाहनों, निर्माण कार्यों और कार्यालयों से जुड़े कई उपायों की जानकारी दी है।

योजना के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना ईंधन नहीं देने की नीति लागू की जाएगी। दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 से कम मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है।

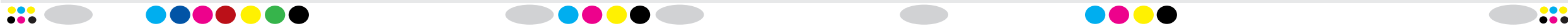


मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक, निर्माण स्थलों की कुत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और कार्यालयों में 50

प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था जैसे उपाय भी शामिल हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण

पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं, अंतिम छोर तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा और साइल वाहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि दिल्ली सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए समय रहते कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य परिवहन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूत करना है।



पश्चिम बंगाल: भगदड़ में गलत आंकड़े फैलाने पर एक गिर तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कुचबिहार जिले से एनुल हक को गिरफ्तार किया है। उस पर उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 3 दिन पहले हुई भगदड़ में मरने वाली की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। शनिवार शाम हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 अन्य घायल हो गए थे। एनुल हक ने दावा किया था कि हादसे में 60 लोग मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 19 मौतों का था। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि एनुल को सोमवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा और सोशल मीडिया पर झूठी सूचनाओं के प्रसार पर भी चिंता व्यक्त की।

दिल्ली-मुंबई एस्प्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: पीएसआई समेत तीन युवकों की मौत, कार के उड़े परखच्चे

भरुच । भरुच के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) यश पटेल समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मनुबर गांव के पास उस समय हुआ, जब वडोदरा से भरुच की ओर जा रही एक कार आगे चल रहे टैंपो से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्रास जानकारी के अनुसार, कार में कुल चार लोग सवार थे। कार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मनुबर गांव के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे टैंपो से टकरा गई। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। इस दर्दनाक हादसे में वडोदरा में पीएसआई के पद पर तैनात यश पटेल, पार्थ पटेल और असफाक मोमिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार चौथे व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालने और राहत कार्य शुरू करने की कार्रवाई की। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हाईवे पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दिल्ली में कॉंक्रोच के पुतला दहन पर विवाद, एडवोकेट बलराज मलिक का विरोध

नई दिल्ली । दिल्ली के पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा दशहरे पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ 30 फुट ऊंचे कॉंक्रोच के पुतले के दहन की घोषणा पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले में एडवोकेट बलराज मलिक के विरोध किया है। समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक अशोक गोयल के अनुसार, कॉंक्रोच का पुतला गंदगी और अस्वच्छता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली का संदेश देना, समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं बलराज मधोक ने कॉंक्रोच को आम जनता का प्रतीक बताया है। सारे देश में कॉंक्रोच जनता पार्टी का आंदोलन चल रहा है। आयोजकों की इस पहल के पीछे आयोजकों की राजनीतिक मंशा बताया जा रहा है। उन्होंने नेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कॉंक्रोच का पुतला जलाया गया तो वह रामलीला समिति के जो आयोजक हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे और इस तरह के कृत्य का विरोध करेंगे।

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी: सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक

-कांग्रेस का आरोप- कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम को ग्रामीण भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा में सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह बदलाव ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले आवश्यक सहारे को कमजोर कर देगा। सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस नेता रमेश ने महाराष्ट्र की गंभीर स्थिति का हवाला दिया, जहां बीड सहित कई जिलों में बीते एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस तरह के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में, मनरेगा ग्रामीण आबादी के लिए जीवनरेखा और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता था। लेकिन, इस प्रतिष्ठित योजना को वीबी-जी राम जी से बदलना, ग्रामीण भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से वंचित करने जैसा है।



विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने चौंकाने वाले आरोप लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि लोकल राजनेता, जो कथित तौर पर सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, मजदूरों की मेहनत की कमाई को हड़प रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया।

हरिद्वार में धूमधाम से मनाया गया दशहरा, जगह-जगह रावण दहन; कई मार्गों पर लगा जाम

हरिद्वार (शिखर समाचार)। धर्मनगरी



हरिद्वार में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए और बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में श्री रामलीला कमेटी हरिद्वार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं, दशहरा उत्सव के चलते शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति भी बनी रही। गत 11 अक्टूबर से शुरू हुए अश्विन नवरात्र का समापन सोमवार को महानवमी पर कन्या पूजन के साथ हुआ था। इस अवसर पर हरिद्वार के आश्रमों, मंदिरों और मठों में श्रद्धालुओं ने कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंगलवार को विजयादशमी पर विभिन्न स्थानों पर दशहरा मेलों और रावण दहन के आयोजन हुए। रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में शाम करीब सात बजे आयोजित कार्यक्रम में रामलीला के प्रसंगों के तहत मेघनाद, कुंभकरण और रावण के वध का मंचन किया गया। इसके बाद तीनों के पुतलों का दहन किया गया। रावण दहन देखने के लिए उमड़ी भीड़ के कारण कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई। लालतारी पुल,

भाजपा ने विमान का वीडियो पोस्ट कर किया दावा- राहुल गांधी वियतनाम गए

-कांग्रेस बोली- राहुल छात्रों और बुद्धिजीवियों से भी मिलते हैं, इसमें मुद्दा या है

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच भाजपा ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वियतनाम गए हैं। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विमान के अंदर का एक वीडियो पोस्ट कर राहुल गांधी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्रा को राजनीतिक मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है।

भाजपा ने वीडियो के साथ तंज कसते हुए लिखा, 'झूट फैलाते-फैलाते थक गया। कुछ दिन वियतनाम घूम आता हूं, किसी को क्या ही पता चलेगा।' पार्टी ने इस पोस्ट के जरिए राहुल गांधी पर निशाना साधने की कोशिश की। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी ऐसा करते रहे हैं। उनके मुताबिक, बिहार में यात्रा के बाद भी राहुल गांधी वियतनाम गए थे। उन्होंने संभावना जताई कि इस बार भी राहुल उसी देश की यात्रा पर गए हों।



भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीतिक कामकाज का दबाव नहीं सह पाते और कुछ समय बाद छुट्टी पर चले जाते हैं। इल्मी ने दावा किया कि राहुल गांधी दो सप्ताह भी काम नहीं कर पाए और फिर विदेश चले गए। हालांकि, भाजपा

नेताओं के इन दावों के समर्थन में राहुल गांधी की मौजूदा यात्रा को लेकर कोई स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। कांग्रेस का सवाल- दूसरे लोग भी जाते हैं विदेश..

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी कहां जाते हैं और कब

विदेश यात्रा करते हैं, इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरे नेता भी विदेश यात्राएं करते हैं, लेकिन हर यात्रा को लेकर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए। दीक्षित ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का बचाव करते हुए कहा कि वे येल यूनिवर्सिटी और लंदन में छात्रों से बातचीत करते हैं। इसके अलावा वे बुद्धिजीवियों से मिलते हैं और प्रेस को साक्षात्कार भी देते हैं। उनके मुताबिक, इन यात्राओं को केवल छुट्टी के तौर पर देखना उचित नहीं है।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का भी उठाया मुद्दा
संदीप दीक्षित ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि संसद सत्र के दौरान विदेश यात्रा न करने की परंपरा प्रधानमंत्री ने भी तोड़ी है। उन्होंने सवाल किया कि उस समय इस तरह की आलोचना क्यों नहीं की जाती। एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जारी राजनीतिक टकराव के बीच राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा नया विवाद बन गई है।

सिमोग में शिरगुल महाराज के दर्शन कर सतपाल महाराज ने की पूजा-अर्चना, दशहरा उत्सव में हुए शामिल

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड

सरकार के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग पहुंचकर आराध्य देव शिरगुल विजट महाराज के दर्शन किए और मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने दशहरा पर्व पर आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक और खेलकूद कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने कालसी क्षेत्र के हरिपुर स्थित जमुना कृष्णधाम में मां यमुना की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। सिमोग में टॉस वैली युवा विकास समिति, ग्राम



कोटी, खत विशायल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर सतपाल महाराज ने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि इस बार विजयादशमी का विशेष महत्व है, क्योंकि हिमाचल प्रदेश के सिरमौर और शिमला जिलों की सीमा पर स्थित सराहन और



चूड़धार से आराध्य देव शिरगुल महाराज का विजयादशमी के अवसर पर जौनसार-बावर के सिमोग में आगमन हुआ है। सतपाल महाराज ने कहा कि

शिरगुल महाराज के दर्शन के लिए उत्तराखंड के साथ ही हिमाचल प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यह उत्सव

धार्मिक आस्था के साथ क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति को भी प्रदर्शित करता है। आयोजन में जौनसारी संस्कृति की विशेष झलक देखने को मिलती है। स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा में सजकर ढोल-दमाऊ की थाप पर लोकनृत्य प्रस्तुत करते हैं, जो उत्सव का प्रमुख आकर्षण रहता है। कार्यक्रम में भीम सिंह चौहान, जबर सिंह नेगी, डॉ. श्याम कुंवर, शांति चौहान, अमित नेगी, गीता राम शर्मा, संत राम चौहान, सूरत सिंह चौहान, केशर सिंह चौहान और बीर सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों को गति, हरिद्वार में 18 दिन चलेगा महा स्वच्छता अभियान; 35 क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी तैनात

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आगामी कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार जमदघ्न में 21 अक्टूबर से 7 नवंबर 2026 तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने 17 अक्टूबर को आदेश जारी कर अभियान के प्रभावी संचालन, निगरानी और समन्वय के लिए 35 क्षेत्रों, संस्थाओं और विभागों में नोडल अधिकारी नामित किए हैं। अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साथ गंगा घाटों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह अभियान उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन के क्रम में भी संचालित किया जा रहा है। अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, संत समाज, शैक्षणिक संस्थानों, व्यापारिक एवं औद्योगिक



संगठनों, राजनीतिक दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जाएगा। नगर निगम हरिद्वार और रुड़की, नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायतों को शहरी क्षेत्रों की सफाई की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान

संचालित कराएंगे। इसके अतिरिक्त विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, औद्योगिक परिसरों, सिडकुल, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों, राष्ट्रीय राजमार्गों, ग्रामीण सड़कों, पार्किंग स्थलों, नहरों, तालाबों, पेयजल संसाधनों, मंडियों, गौशालाओं और गन्ना तौल केंद्रों

सहित विभिन्न स्थानों पर सफाई कराई जाएगी। वन क्षेत्रों, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान, मनसा देवी और चंडी देवी रोपवे के आसपास भी स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन सफाई अभियान की जानकारी जीपीएस लोकेशन के साथ उपलब्ध कराने के

निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को सफाई से पहले और बाद की तस्वीरें स्वच्छता नियंत्रण कक्ष के व्हाट्सएप समूह में साझा करनी होंगी। इसके लिए मोबाइल नंबर 8273371714 निर्धारित किया गया है।

हरकी पैड़ी और आसपास के घाटों पर विशेष सफाई
विजयदशमी के अवसर पर नगर निगम ने नगर आयुक्त नंदन कुमार के नेतृत्व में हरकी पैड़ी और आसपास के गंगा घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। घाटों, सार्वजनिक स्थलों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले क्षेत्रों की सफाई की गई। स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अभियान में सहयोग दिया। नगर निगम ने नागरिकों और सामाजिक संगठनों से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा नहीं फैलाने तथा गंगा घाटों को स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील की।

गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर: साध्वी नेहा आनंद देव

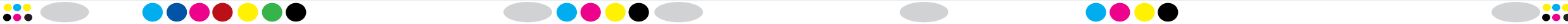
हरिद्वार (शिखर समाचार)। श्री अवधूत मंडल आश्रम, बाबा हीरादास हनुमान मंदिर, सिंहद्वार, ज्वालापुर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी संतोषानंद देव महाराज के जन्मोत्सव और उनके गुरुदेव महामंडलेश्वर स्वामी सत्यदेव महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर साध्वी नेहा आनंद देव ने दोनों संतों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने संतों के स्वस्थ, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए उनके आध्यात्मिक योगदान की सराहना की।

अपने शुभकामना संदेश में साध्वी नेहा आनंद देव ने कहा कि संत-महात्माओं का जीवन समाज को मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो ज्ञान, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी



तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। गुरु का मार्गदर्शन व्यक्ति को आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ाने के साथ समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना का मार्ग भी प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि संतों का सान्निध्य मनुष्य को सदाचार, सेवा और परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। साध्वी ने कामना की कि गुरुदेव की आशीर्वाद और संतों के मार्गदर्शन में धर्म, सेवा तथा लोककल्याण के कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहें। साथ

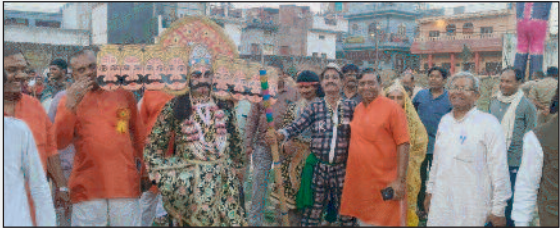
ही जनमानस में आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति के प्रति श्रद्धा और अधिक मजबूत हो। साध्वी नेहा आनंद देव ने प्रभु श्रीराम और भगवान श्री हनुमान से प्रार्थना की कि महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी संतोषानंद देव महाराज पर सदैव अपनी कृपा बनाए रखें। उनका जीवन धर्म, भक्ति, अध्यात्म और मानव सेवा के कार्यों से निरंतर आलोकित रहे तथा उनका सान्निध्य समाज को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहे।



शिवभक्तों की सेवा करने वाले पुलिसकर्मी और बच्चे दशहरे पर सम्मानित

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। गांव गद्दी सखावतपुर स्थित शिव मंदिर परिसर में विजयदशमी के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रावण मास के दौरान कांवड़ियों और शिवभक्तों की सेवा करने वाले पुलिसकर्मियों तथा बच्चों को मंदिर समिति और ग्रामीणों की ओर से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता मास्टर कालूराम ने की। मंदिर समिति के अध्यक्ष बाबू विक्रम सिंह ने कहा कि श्रावण मास में कांवड़ियों और शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। इससे समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। गांव के बच्चों और युवाओं ने जिस निष्ठा, उत्साह और समर्पण के साथ दिन-रात शिवभक्तों की सेवा की, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे सेवभावी कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और युवाओं को दूसरों की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि सावन मेले के दौरान अपनी सुरक्षा इट्यूटी पूरी मुस्तैदी से निभाने वाले पुलिसकर्मियों के सहयोग और प्रशंसाओं के देखरेख के कारण मेला शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हो सका। पुलिसकर्मियों और सेवा में जुटे बच्चों का सम्मान उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम है। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयदशमी अर्धरा पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। सभी को सत्य, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर राजेंद्र सहरावत, विजय, मोनू सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जय श्रीराम के जयकारों से गुंजा रामलीला मैदान, रावण के साथ कुंभकरण और मेघनाद के पुतले भी जले



खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली क्षेत्र में मंगलवार को विजयदशमी का पर्व श्रद्धा, उत्साह और उत्थ्लास के साथ मनाया गया। देर शाम रामलीला मैदान में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान मैदान में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और पुतला दहन के समय पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गुंज उठा। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। स्थानीय रामलीला कमेटी ठाकुरद्वारा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पहले रामलीला मैदान में भगवान राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। इसके बाद रावण वध हुआ और तीनों पुतलों का दहन किया गया। पुतलों में आग लगाते ही उपस्थित लोगों में उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। रावण दहन के माध्यम से लोगों को अहंकार, अन्याय और बुराइयों का त्याग कर सत्य एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। लोगों ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प भी लिया। रामलीला महोत्सव को सफल बनाने में गांधी शर्कर, राजेंद्र जैन, नवीन, कुलबीर, दुष्यंत शर्मा, ज्ञानेश्वर शर्मा, परवीन शर्मा, सतीश वर्मा, अनुपम गौर, मनोज सैनी, कन्हैया भित्तल, बुजभूषण, राजेंद्र वर्मा, अनिल त्यागी, मनन, शिवम, गौरव, प्रवीण गुप्ता, राजेंद्र, अनिल सैनी और रजनीश मिश्रा सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कमेटी की ओर से 22 अक्टूबर को पहली बार कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। समाज में दूर-दराज से आने वाले कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

नगीना में दशहरा मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयदशमी का पर्व नगीना नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हवैल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर हिंदू परिवारों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। बहनौं ने भाइयों के कानों पर नौरते रखकर एक-दूसरे को दशहरे की शुभकामनाएं दीं। लोगों ने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। दशहरे के अवसर पर धामपुर मार्ग स्थित रामलीला मैदान के निकट दुर्गा माता के सिद्धपीठ मंदिर परिसर में परंपरागत विशाल मेले का आयोजन हुआ। मेले में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने मंदिर में प्रसाद और देवी के शृंगार का सामान चढ़ाकर अपने परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की। मेले में खाद्य पदार्थों, खेल-खिलौनों और अन्य सामान की दुकानें सजी रहीं, जहां श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। दिनभर मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रीरामलीला कमेटी की ओर से मेले में रामलीला मंचन से जुड़ी विभिन्न झांकियों निकाली गईं, जिन्होंने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शाम होते ही बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। मंदिर कमेटी के हरिगोपाल अग्रवाल और सलिल अग्रवाल ने तीर में आग लगाकर रावण के पुतले का दहन किया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इसके बाद श्रद्धालुओं ने मेले में खरीदारी की और अपने घरों को लौट गए। इस अवसर पर रवीश अग्रवाल, हरिगोपाल अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, सलिल अग्रवाल, विकास अग्रवाल, प्रमोद चौहान, मयंक अग्रवाल, चौधरी दिग्विजय सिंह और शीतांशु अग्रवाल सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुकान के किराए को लेकर विवाद: मॉल मालिक पर हमला, वीडियो वायरल

हापड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी स्थित मेट रोज पर दुकान के किराए को लेकर उपजे विवाद में मॉल मालिक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। किरायेदार के बेटे द्वारा गाली-गलौज करते हुए मॉल मालिक पर हमला किया गया, जिससे उनके गले पर चोट आई है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित मॉल मालिक अप्रति चौधरी ने बताया कि उन्होंने गत जून माह में अपने मॉल की एक दुकान किराए पर दी थी। किरायेदार पिछले दो महीने से न तो किराया दे रहा था और न ही दुकान खोल रहा था। ऐसे में कब्जे की आशंका को देखते हुए मैनेजर ने दुकान पर अपना ताला लगा दिया था। करीब 15 दिन बाद जब किरायेदार दुकान पर पहुंचा और ताला बंद देखा, तो उसने मैनेजर से चाबी मांगी। मैनेजर के बाहर होने के कारण अगले दिन चाबी देने को कहा गया, जिससे नाराज होकर किरायेदार ने गाली-गलौज और ताला तोड़ने की धमकी दी। बाद में फोन पर अप्रति से भी चाबी मांगी गई, जिस पर हिस्साब-किताब के बाद अगले दिन चाबी देने की बात तय हुई थी। अप्रति के अनुसार, जब वे मॉल पहुंचे तो बातचीत के दौरान किरायेदार का बेटा वहां कार से आया और आते ही गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत विजयनगर थाने में जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों पर दिया जोर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत विजयनगर थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डीसीपी मुख्यालय बलवंत चौधरी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें एसीपी उपासना पाण्डेय और विजयनगर थाना प्रभारी धर्मपाल सिंह को मौजूदगी में महिलाओं की सुरक्षा, उनके कानूनी अधिकारों और पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सहायता सेवाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करना और पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत

करना रहा।

मिशन शक्ति अभियान उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में चलाया जा रहा महत्वपूर्ण अभियान है। इसके माध्यम से महिलाओं को घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, पीछा करने, साइबर अपराध, उत्पीड़न और अन्य महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर पुलिस से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाती है। विजयनगर थाने में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भी महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान

दिया गया। डीसीपी मुख्यालय बलवंत चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने महिला सुरक्षा को सामाजिक जिम्मेदारी से



जोड़ते हुए जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। महिलाओं और बालिकाओं को यह संदेश दिया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में चुप रहने के बजाय संबंधित पुलिस अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। समय पर शिकायत दर्ज कराने और पुलिस को अपराधों की पहचान में मदद करने के लिए जागरूक रहना जरूरी है। महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए

पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संबंध स्थापित करना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। एसीपी उपासना पाण्डेय की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता दी गई। मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि महिलाओं एवं बालिकाओं को पहले से जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूत करना भी है। इसके अंतर्गत महिलाओं को उनके

अधिकारों, शिकायत दर्ज कराने के माध्यमों और आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध पुलिस सहायता के बारे में जानकारी देना महत्वपूर्ण माना जाता है। जागरूकता के माध्यम से महिलाओं की आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने और किसी भी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध उचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विजयनगर थाना प्रभारी धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम ने स्थानीय स्तर पर महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की भूमिका और जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। थाना स्तर पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनना, उन्हें सहायता के उपलब्ध विकल्पों से परिचित कराना और कानून-व्यवस्था के प्रति भरोसा कायम रखना है। महिला सुरक्षा के साथ-साथ बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान

और अधिकारों के प्रति परिवार एवं समाज को जागरूक करना भी आवश्यक है, ताकि किसी भी तरह के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। पुलिस की ओर से ऐसे प्रयासों का व्यापक उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करना, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना और समाज में समानता एवं सम्मान की भावना को मजबूत करना है। डीसीपी मुख्यालय बलवंत चौधरी के नेतृत्व में विजयनगर थाने में हुए इस आयोजन में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे को प्राथमिकता देने और जनजागरूकता के माध्यम से अभियान को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जाहरवीर गोगा म्हाड़ी मेले का एसडीएम राम भरोस सारण ने किया शुभारंभ, सामाजिक एकता का दिया संदेश

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। तहसील क्षेत्र के गांव जंघेड़ा समसपुर स्थित प्राचीन जाहरवीर गोगा म्हाड़ी पर आयोजित मेले का उपजिलाधिकारी राम भरोस सारण ने पीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सामाजिक संस्था जनहित सेवा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उपजिलाधिकारी का पयका पहनाकर स्वागत किया तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह में राम भरोस सारण ने उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य की हमेशा विजय होती है। समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने और अच्छे, सभ्य एवं संस्कारवान समाज के



निर्माण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सहयोग और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजन लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। उपजिलाधिकारी ने मेले में आमंत्रित करने के लिए ग्रामवासियों और जनहित सेवा समिति का आभार जताया। समिति के सदस्यों ने भी उनका स्वागत करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जनहित सेवा समिति के अमित पंवार, मास्टर विकास पंवार, साहब सिंह, राधेश्याम, मनोज पंवार, मास्टर सुरेंद्र पाल सिंह, रिकू पंवार, प्रवेश पंवार, जितेंद्र पंवार, पप्पू सैनी, विपिन पंवार, गजराज पंवार, विशाल पंवार, अंकित पंवार, संजय कुमार, सावन पंवार, राजेश रोहिला, रविंद्र सेन, मंगिराम कश्यप, सुभाष पंवार, मुनित कुमार, बिट्टू पंवार, रोहतास, जोगिंदर सिंह, राजकुमार, दीपक पंवार, मनीषा पंवार, आजाद सिंह और लक्ष्मण पंवार सहित समिति के सेवादार तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सहारनपुर (शिखर समाचार)।

सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव गुप्ता द्वारा रचित पुस्तक उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम का विमोचन सिविल कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरीश पुंडीर ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने पुस्तक को कानून के विद्यार्थियों, विधि विशेषज्ञों और न्यायिक अधिकारियों के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह पुस्तक उत्तराखंड के पंचायती राज कानून से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ विधि क्षेत्र में ज्ञान के प्रसार में सहायक होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अमरीश पुंडीर ने कहा कि पुस्तकों



का नियमित अध्ययन और पठन-पाठन ही सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। पुस्तक के लेखक राजीव गुप्ता ने अपनी लेखन यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि शुरूआत में उनमें आत्मविश्वास की कमी थी, लेकिन परिजनों से मिले प्रोत्साहन ने उन्हें पुस्तकें लिखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए निरंतर मेहनत करना जरूरी है। उनके अनुसार, यह पुस्तक आने वाली पीढ़ी और कानून के जानकारों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। वक्ताओं ने राजीव गुप्ता को

पुस्तक लेखन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसका उपयोग अधिवक्ताओं के साथ न्यायाधीश भी कर सकेंगे। इस अवसर पर अभय सैनी, राजेंद्र चौहान, शीशपाल पुंडीर, राजकुमार ढींगड़ा, आदित्य अंगिरस, निशांत त्यागी, संदीप पुंडीर और अनिल मदान ने भी विचार व्यक्त किए। समाारोह में अधिवक्ता मनप्रेम आफताब, सौरभ जैन, रमन गुप्ता, शुभम कंबोज, निशा जैन, दीक्षा मोर्वी, तबस्सुम नाज, अदीब खान, विशाल पंडित, स्वराज, नितिन शर्मा, अमन मदान और उदय जैन सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

शामली में विजयादशमी पर संघ का पथ संचलन, पुष्पवर्षा से हुआ स्वयंसेवकों का स्वागत



शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से विजयादशमी के अवसर पर शामली में पथ संचलन निकाला गया। वीवी इंटर कॉलेज से शुरू हुआ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन वीवी इंटर कॉलेज परिसर में शस्त्र पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला कार्यवाह दिवाकर ने विजयादशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व भगवान श्रीराम की रावण पर और मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय का प्रतीक है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई तथा अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी के दिन वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। संघ का उद्देश्य समाज को संगठित करना, व्यक्तित्व निर्माण करना और लोगों में राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना है। उन्होंने स्वयंसेवकों से सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवक अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए आगे बढ़े। नगर में जगह-जगह हुए स्वागत से आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सेना कैप्टन अनिल कुमार ने की। इस अवसर पर विभागा प्रचारक भूपेंद्र, देशपाल सिंह, आदेश कुमार, शंकर चौहान, सतपाल, मुकुल कुमार, आशीष कुमार और मलूक चंद सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शस्त्र पूजन के साथ विजयादशमी उत्सव का समापन हुआ।

मोदीनगर की सिमरन शर्मा ने पैरा एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण, 200 मीटर दौड़ 24.80 सेकेंड में की पूरी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। जापान के नागोया में आयोजित पैरा एशियाई खेलों में मोदीनगर की पैरा एथलीट सिमरन शर्मा ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मंगलवार को उनकी इस उपलब्धि की जानकारी मिलते ही परिवार और शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई, वहीं उन्हें बधाई देने के लिए घर पर लोगों का तांता लगा रहा।

मोदीनगर की कृष्णाकुंज कॉलोनी निवासी सिमरन शर्मा नागोया में चल रहे पैरा एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। मंगलवार को उन्होंने 200 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने यह दौड़ 24.80 सेकेंड में पूरी की। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, परिचितों और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद



कृष्णाकुंज कॉलोनी स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का पहुंचना शुरू हो गया। सिमरन की मां सविता शर्मा, भाई आकाश शर्मा और भाभी निशा शर्मा ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। परिजनों ने सिमरन की

उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सिमरन शर्मा की इस सफलता को उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने

की प्रेरणा मिलेगी। सिमरन का अगला लक्ष्य वर्ष 2028 में अमेरिका के लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। अब उनके प्रशंसकों और परिजनों को उनके आगामी प्रदर्शन से भी बड़ी उम्मीदें हैं।

हैदराबाद में दमखम दिखाएंगे सहारनपुर के 13 युवा एथलीट, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम तैयार

सहारनपुर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए सहारनपुर के 13 युवा एथलीटों का चयन किया गया है। इनमें सात बालक और छह बालिकाएं शामिल हैं। चर्चानित खिलाड़ी 14 से 16 नवंबर तक तेलंगाना के हैदराबाद में आयोजित होने वाली 20वां राष्ट्रीय अंतर जिला जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के सचिव डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने

बताया कि टीम चयन के लिए पुलिस लाइन स्थित खेल मैदान पर जिला जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभाग किया। कुल 22 स्पर्धाओं में 22 स्वर्ण, 22 रजत और 22 कांस्य पदक सहित 66 पदक वितरित किए गए। पदक विजेताओं के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 13 खिलाड़ियों का चयन करना समिति के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। चयन समिति के अध्यक्ष यशपाल सिंह पुंडीर के नेतृत्व में भूपेंद्र सिंह, मुस्तक़ीम अंसारी, लाल धर्मेंद्र प्रताप और प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों के



प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। कई दौर के विचार-विमर्श के बाद मुख्य टीम के साथ चार खिलाड़ियों को

आरक्षित सूची में रखा गया। 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में कबीर अली का त्रिकोड़ा ए, कार्तिक गिरी

का त्रिकोड़ा बी, अन्वी यादव का त्रिकोड़ा ए और नैसी का त्रिकोड़ा बी स्पर्धा के लिए चयन हुआ है। 16

वर्ष से कम आयु वर्ग में अनंत शर्मा 60 मीटर दौड़, आयुष गोसी 600 मीटर दौड़, वंश कुमार गोला फेंक, रुद्र प्रताप भाला फेंक और वैभव कपिल पंचक्रोड़ा में हिस्सा लेंगे। बालिका वर्ग में अंशु 60 मीटर दौड़, अंशु रानी लंबी कूद, रहमत इलाही गोला फेंक और परी पंवार पंचक्रोड़ा में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। आरक्षित खिलाड़ियों में गगनदेव वर्मा त्रिकोड़ा सी, अर्वातिका त्रिकोड़ा सी, वंदना 600 मीटर दौड़ और सनाथी 80 मीटर बाधा दौड़ के लिए चयनित हुई हैं। जिला एथलेटिक्स संघ की उम्मीद है कि खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सहारनपुर का नाम रोशन करेंगे।

आरएसएस का शस्त्र पूजन शताब्दी वर्ष समारोह संपन्न

धौलपुर (संवाददाता) जगनेर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जगनेर नगर का संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में विजयादशमी कार्यक्रम संघ स्थल जगनेर पर संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया दीप प्रज्वलन मुख्य वक्ता नगर खंड प्रचारक मोहन दास जी कार्यक्रम अध्यक्ष श्री कृष्ण शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि खंड संघ चालक राजवीर सिंह जिला सह कार्यवाह सुधीर सिंह नगर संघ चालक परमानंद मंगल नगर से संचालक श्री कृष्णा शर्मा खंड कार्यवाह शुभम शर्मा नगर कार्यवाह मुकेश सिंह नैरोली पुष्प एवं कलावे से शस्त्र पूजन किया तत्पश्चात गण गीत अमृत वचन एकल गीत के बाद मुख्य वक्ता का उद्घोषन हुआ मुख्य वक्ता मोहनदासजी द्वारा संघ स्थापना की पृष्ठभूमि शस्त्र पूजन की आवश्यकता भगवान श्री राम के जीवन वरित्र कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में उनके आदर्श पर चलते हुए संघ कार्य को राष्ट्रीय कार्य मानकर करने का आह्वान किया उन्होंने संघ के विविध क्षेत्र के कार्य अमुसंगिक संगठनों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला अपने अध्यक्ष की उद्घोषन एवं आशीर्वचन में श्री कृष्ण शर्मा ने उपस्थित समस्त अधिकारियों वरिष्ठ कनिष्ठ एवं बाल स्वयंसेवकों को कड़ी धूप में अनुशासित रूप से डटे रहने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया इसके बाद घोष के साथ संघ का पद संचलन प्रारंभ हुआ जो संघ स्थल से निकलकर तातपुर रोड बमनईचौराहा बाल्मीकि चौक बसेडी रोड माधव नगर अंबेडकर पार्क सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मुख्य बाजार श्री ग्वाल बाबा मंदिर भोलानाथ इंटर कॉलेजघाटी मोहल्ला मवेशी गली पटेल रोड होता हुआ संघ स्थल पहुंचा पथ संचलन के दौरान जगह-जगह स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की गई जलपान कराया गया पथ संचलन के दौरान पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवानों को तैनात किया गया था इस दौरान राधेश्याम सिंगल नरेंद्र पाठक रामकिशन सिंगल जितेंद्र सिंह मुकेश उपाध्याय शिवकुमार परमार स्वामी हरी हरा कृष्ण मुरारी बंसल पुरुषोत्तम बंसल शिवम परमार देवेंद्र परमार राम लखन परमार अभय प्रताप सुमित परमार हरिशंकर कुंज बिहारी हरिओम चौधरी रामनिवास भाटिया रामनिवास घड़ी वीरेंद्र सिंघल शादी लाल सिंगला ओमप्रकाश सत्य प्रकाश शिवकुमार मितल दिव्यांशु गगन शर्मा दिनेश लवलेश महेश उपाध्याय सत्य प्रकाश बाबूजी राम हरि मेहर जगमोहन शर्मा सही तो 160 गणेश धारी स्वयंसेवकों ने पथ संचलन में भाग लिया

क्षत्रिय समाज ने परंपरागत रीति से मनाया विजयदशमी उत्सव



वृंदावन (संवाददाता) धर्मनगरी वृंदावन में विजयदशमी का पर्व धार्मिक श्रद्धा और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वृंदावन क्षत्रिय महासभा की ओर से सुनहरा मार्ग स्थित श्रीराम फार्म हाउस में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। डाकुर हरिवल्लभ सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस आयोजन में चौरासी कोस ब्रज क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से पहुंचे क्षत्रिय समाज के लोगों ने भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं के प्रति आस्था प्रकट की। कार्यक्रम में सबसे पहले संत-महात्माओं का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। संत फूलडील बिहारी दास महाराज, संत गोविंदानंद तीर्थ महाराज, बाबा बलराम दास और महंत लाडली शरण देवाचार्य महाराज सहित उपस्थित संतों का माल्यार्पण एवं पटुका पहनाकर स्वागत किया गया। संतों के सान्निध्य से आयोजन का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इसके बाद वेदपाठी विप्रों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच क्षत्रिय समाज की परंपरा के अनुरूप शस्त्र पूजन किया गया। विधि-विधान से हुए पूजन के दौरान शस्त्रों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए समाज की प्राचीन परंपराओं का निर्वहन किया गया। विजयदशमी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों ने इसे धर्म की स्थापना, सत्य की विजय और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देने वाला पर्व बताया। आयोजन के माध्यम से क्षत्रिय समाज की गौरवशाली विरासत, धार्मिक संस्कारों और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं तथा धर्म, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। संतों के सम्मान और पारंपरिक शस्त्र पूजन के साथ संपन्न हुआ यह कार्यक्रम समाज की सांस्कृतिक पहचान को अभिव्यक्त करने वाला रहा। इस अवसर पर डाकुर जितेंद्र सिंह राणा, डाकुर धर्मेन्द्र पाल, डाकुर उदय सिंह, डाकुर बीरेंद्र सिसोदिया, डाकुर लेखा सिसोदिया, डाकुर ज्ञानी, शैलेंद्र चौहान, विजय सिंह दूध वाले, डाकुर मुकेश सिंह सिकरवार, डाकुर श्याम सिंह सहित क्षत्रिय समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

फरह में मंडलीय खो-खो प्रतियोगिता का समापन, बालक वर्ग में हाथरस और बालिका वर्ग में आगरा की टीम बनी चैंपियन



फरह (संवाददाता)। कस्बा फरह के रेवती लाल विवेक इंटर कॉलेज, रैपुरा जाट में सोमवार को मंडलीय खो-खो प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। एक दिवसीय इंटर स्कूल 14 और 17 आयु वर्ग की इस प्रतियोगिता में आगरा मंडल के तीन जिलों आगरा, मथुरा और हाथरस की 18 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में नारायण इंटरनेशनल स्कूल हाथरस ने शानदार खेल दिखाते हुए चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। आगरा कॉलेज आगरा की टीम उपविजेता रही, जबकि श्री राजेंद्र स्वरूप स्कूल आगरा ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में डिवान्न पब्लिक स्कूल आगरा ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री राजेंद्र स्वरूप स्कूल आगरा दूसरे और मेजबान रेवती लाल विवेक इंटर कॉलेज रैपुरा जाट की टीम तीसरे स्थान पर रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मूला सिंह, दिलीप सिंह और डॉ. पप्पू ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में अफ्नरा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगराज सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में शारीरिक शिक्षक निखिल कुमार मौजूद रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगराज सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मंच देने की जरूरत है। विद्यालय प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि उनका उद्देश्य बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाना है। प्रतियोगिता में रेवरी की भूमिका शाहिद हुसैन और शाहिद खान ने निभाई। इस दौरान प्रधानाचार्य अशोक दीक्षित, विवेक सिंह, शेखर शर्मा, हर्षित चौधरी, तरुण कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विजयादशमी पर गोरक्षपीठाधीश्वर ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन, लोक कल्याण की प्रार्थना की

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी (दशहरा) के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ जी का विशिष्ट पूजन-अनुष्ठान किया। विशेष पारंपरिक परिधान में सीएम योगी ने गोरक्षपीठ की परंपरा का अनुसरण करते हुए मंगलवार सुबह विधि-विधान से महायोगी गोरखनाथ जी की पूजा-आराधना कर चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की। गोरक्षपीठ में विजयादशमी का विशिष्ट अनुष्ठान दो घंटे से अधिक समय तक चला। विशिष्ट पूजन की शुरुआत गोरखनाथ मंदिर में शक्तिपीठ से हुई, जहां शारदीय नवरात्र प्रतिपदा

से ही जगतजननी आदिशक्ति की आराधना के अनुष्ठान चल रहे थे। शक्तिपीठ में वैदी पूजन तथा लोकमंगल की प्रार्थना करने के बाद सीएम योगी मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ व अन्य साधु-संतों के साथ, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यगण व वेदपाठी छात्रों के वैदिक मंत्रोच्चार, शंख, डमरू, घंट, तु-रही की गूंज के बीच गुरु गोरखनाथ जी के मुख्य मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे। यहां उन्होंने नाथपंथ के विधान से महायोगी गोरखनाथ जी की विशिष्ट पूजा की। विविध पूजन सामग्री के साथ शक्तिपीठ की वैदी पर उगाए गए जौ के जवारे चढ़ाए, आरती उतारी



और हाथ से चंवर झुलाकर श्रद्धासेवा अर्पित की। गुरु गोरखनाथ जी की विधिवत आराधना करने के बाद मुख्यमंत्री

ने मंदिर में अखंड ज्योति, समस्त देव विग्रहों, नाथपंथ के मनीषियों के विग्रहों, अखंड धूना, यज्ञशाला, भीम सरोवर का विशिष्ट पूजन

मतदाता सूची को अद्यावधिक, त्रुटि-रहित बनाने में बूथ लेवल अधिकारी मेहनत से करें कार्य- जिला निर्वाचन अधिकारी

मैनपुरी (संवाददाता) जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने विधानसभा 107-मैनपुरी, 108-भोगांव के मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से विलोपित किए गए मतदाताओं का सत्यापन करते हुए बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 04 दिन में अपने-अपने बूथ के प्रत्येक ऐसे मतदाता, जिनका नाम एस.ए.आर. के दौरान मतदाता सूची से विलोपित किया गया है, उनके घरों का शत-प्रतिशत सत्यापन करना सुनिश्चित करें यदि सत्यापन के दौरान ऐसा कोई मतदाता जिसका नाम मतदाता सूची में शामिल न हो, से तत्काल फॉर्म-6 भरवाकर अपलोड करावें ताकि उसका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों को आदेशित किया कि वह मतदाता सूची का गहनता से अध्ययन करें यदि किसी मतदाता का नाम, पति, पिता का नाम, मकान नंबर गलत है, तो उससे फार्म-8 भरवाकर उसे ठीक करावें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में



प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम शामिल रहे, मतदाता सूची जितनी अद्यावधिक, त्रुटिरहित होगी निर्वाचन प्रक्रिया उतनी आसानी से सम्पन्न होगी। श्री त्रिपाठी ने विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी के बूथ संख्या-222 गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज में मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान जानकारी करने पर बूथ लेवल अधिकारी मुकेश चंद ने बताया कि एस.आई.आर. के दौरान बूथ संख्या 222 से 498 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए थे, जिनके घर-घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है, एस.आई.आर. के

बाद मतदाता सूची में 724 मतदाता सम्मिलित हैं जिसमें से 388 पुरुष 336 महिला मतदाता है। उन्होंने विधानसभा भोगांव के बूथ संख्या 263 प्रार्थमिक विद्यालय रसूलाबाद में मतदाता सूची का सत्यापन करते हुए जानकारी करने पर बूथ लेवल अधिकारी मुकेश चंद ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान बूथ संख्या-263 से 561 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए, वर्तमान में बूथ की सूची में 673 मतदाता शामिल है, जिसमें 362 पुरुष एवं 311 महिला मतदाता है, घर-घर

सत्यापन के दौरान एसआईआर के तहत विलोपित किए गए नामों का सत्यापन करने पर अभी तक 02 मतदाता मिले हैं, जिनके नाम त्रुटिवश एसआईआर के दौरान विलोपित किए गए थे, उक्त दोनों मतदाताओं से फॉर्म-6 भरवाकर ऑनलाइन किया जा चुका है। डी.ई.ओ. ने निरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों से कहा कि जनपद की मतदाता सूची में जेंडर रेशियो में सुधार की गुंजाइश है, इसलिए अभियान के दौरान अधिक से अधिक महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएं, किसी भी महिला मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से अवशेष न रहे, सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर, भोगांव, श्याम प्रताप सिंह, पीयूष जायसवाल जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बुद्ध प्रकाश, सोन्या वर्धन, सुपरवाइजर पुणेंद्र चौहान, लेखपाल मनोज कुमार गुप्ता, सभासद जसवीर सिंह, आफताब जाफर आदि उपस्थित रहे।

मां कात्यायनी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए विजयादशमी के अनुष्ठान

शमी वृक्ष का महाभिषेक कर किया पूजन, मंदिर में शारत्रों के प्रति श्रद्धा की गई अभिव्यक्त



वृंदावन (एजेंसी) वृंदावन के प्राचीन शक्तिपीठ मां कात्यायनी मंदिर में विजयादशमी का पर्व धार्मिक उत्ल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। पुजारियों और सेवायतों ने धार्मिक विधियों का पालन करते हुए पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया। पर्व के अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी कमल तिवारी और ट्रस्टी सिद्धार्थ सहाय ने

शमी वृक्ष का महाभिषेक कर विधिवत पूजन किया। सनातन परंपरा में दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा को विजय, शुभता और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। इसी मान्यता के अनुरूप मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके साथ ही मंदिर परिसर में शारत्रों का पूजन भी किया गया। इस दौरान विजयादशमी के आध्यात्मिक महत्व और भारतीय संस्कृति में प्रचलित धार्मिक परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। यह

पर्व सत्य की असत्य पर तथा धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक माना जाता है और लोगों को सदाचार एवं मर्यादों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन प्रबंधक विजय मिश्र ने किया। मां कात्यायनी मंदिर में आयोजित इन अनुष्ठानों के माध्यम से धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और सनातन संस्कृति के महत्व को रेखांकित किया गया।

भाजपा सरकार में समाज का हर वर्ग त्रस्त है: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज सभी को विजयदशमी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व अन्याय पर न्याय की जीत का पर्व है। हम सभी को आज संकल्प लेना चाहिए कि हमें बुराई को अच्छाई से हराकर जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि हम उत्तर प्रदेश से इसकी शुरुआत करेंगे। उत्तर प्रदेश ही देश को बचाएगा। उत्तर प्रदेश का यह चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है और यह जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश के लोगों की है। भाजपा का सफाया होना तय है।

अखिलेश यादव आज यहां समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में एकत्र पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर 2026 को समाजवादी पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। जनता समाजवादी पार्टी के साथ है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में समाज का हर वर्ग त्रस्त है। भाजपा सरकार में सभी दुःखी है, पीड़ित और अपमानित है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी,

लूट, अन्याय चरम पर है। अपराधी भाजपा सरकार के संरक्षण में है। किसी को कोई न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सत्ता के लिए झूठा प्रचार कर समाजवादी पार्टी को बदनाम कर रही है। समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपमानित करने के लिए पीडीए ने सविधान का बचाया है। पीडीए सविधान बचाने के लिए अपने प्राण दे देगा। सविधान बचाना हमारा प्रण है। पीडीए एकजुट होकर लोकतंत्र को प्रणवृत करेगा। भाजपा बाबा साहब के दिये आरक्षण को समाप्त करने पर उतारू है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। जनहित के मुद्दों से दूर भाग रही



है। भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए समाज में नफरत फैलाती है। समाज को बांटने का षड्यंत्र करती है। भाजपा को इन सभी चालों से पीडीए को सावधान रहना है। अखिलेश यादव ने कहा कि दुनिया में जनविद्रोह क्यों है? हर तरफ अशांति और युवा अपने हक और अधिकार के लिए आंदोलित है। भारत में लोकतंत्र और वोटर लिस्ट में नाम बचाने का आंदोलन चल रहा है। वोटर बनाने में बूथ स्तर तक धांधली

चल रही है। निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर अविश्वास है। निर्वाचन आयोग की धांधलियां सबके सामने हैं। आश्चर्यजनक है कि निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली पर आरोप वोट चोरी का है और भाजपा उसका बचाव करती है। दोनों एक ही है। एसआईआर का मतलब आरएसएस ही है। पीडीए प्रहरियों ने बूथ पर तमाम गलतियां पकड़ी है। समाजवादी पार्टी ने जिन गड़बड़ियों की शिकायत की उन पर कोई

भी दोषी कर्मचारी, अधिकारी पर कार्रवाई नहीं की गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि वे भलीभांति समझ लें कि जो रामराज है वही समाजवाद है। नकली असली सनातनी के बीच लड़ाई है। जो नफरती है वे नकली सनातनी है। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को 24 अक्टूबर 2026 को अपने- अपने बूथ पर वोट बनवाने, वोट कटवाने के कार्य पर पैनी निगाह रखनी है। उन्होंने कहा कि हम किसी को भी दुःख, पीड़ा नहीं देंगे और न ही अपमानित करेंगे। सबके साथ अपनापन का भाव रखेंगे। हम सभी कानून के राज के साथ-साथ सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का भी संकल्प ले। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को इस बार कोई भी साजिश और षडयंत्र नहीं चलेगा। जनता भाजपा सरकार को हटाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार में समाज के हर वर्ग को न्याय, हक और सम्मान मिलेगा। अखिलेश यादव ने काकरोच जनता पार्टी के तिहाड़ जेल में बंद नेताओं अशुतोष रांका तथा सौरव दास की रिहाई की भी मांग की।



संपादकीय

भारत की एकता का संकल्प और लोकतंत्र की असली कसौटी

भारत को तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी, यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का संदेश केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि देश की एकता, सामाजिक विश्वास और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विचार करने का अवसर भी है। 20 अक्टूबर 2026 को नागपुर में संघ के विजयादशमी समारोह के दौरान दिए गए संबोधन में भागवत ने भारत की एकजुटता पर भरोसा जताया और कहा कि सत्ता परिवर्तन से अपने आप परिस्थितियां नहीं बदल जातीं। उन्होंने फ्रांस, अल्बानिया, नेपाल और बांग्लादेश में सामने आई राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए भारत को कमजोर करने वाली शक्तियों के प्रति सतर्क रहने की बात कही। उनके संबोधन में स्वदेशी, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पहचान, नई पीढ़ी के संस्कार और नशे की बड़ती समस्या जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से सामने आए। इन विचारों के बीच सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि भारत की एकता को मजबूत बनाने के लिए देश को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता रही है। यहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं, अलग-अलग धर्मों और परंपराओं को मानने वाले लोग रहते हैं तथा खानपान, वेशभूषा और जीवनशैली में व्यापक अंतर दिखाई देता है। इसके बावजूद देश की राष्ट्रीय पहचान ने लोगों को एक साझा संवैधानिक व्यवस्था से जोड़ रखा है। यही वह आधार है, जिसने भारत को कठिन ऐतिहासिक परिस्थितियों के बावजूद एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने की क्षमता दी है। इसलिए देश को तोड़ने की किसी भी कोशिश का मुकाबला केवल नारों से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास, न्यायपूर्ण व्यवस्था और नागरिकों के बीच मजबूत रिश्तों से किया जा सकता है। एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक ही विचार रखें, बल्कि यह है कि अलग-अलग विचार रखने के बावजूद सभी देश के भविष्य के लिए समान जिम्मेदारी स्वीकार करें।

मोहन भागवत ने अपने संबोधन में आंदोलनों और सत्ता परिवर्तन की राजनीति को लेकर भी चिंता व्यक्त की। यह विषय ऐसे समय में चर्चा के केंद्र में है, जब चुनावी प्रक्रियाओं, संस्थाओं की भूमिका और राजनीतिक जवाबदेही को लेकर विभिन्न पक्षों में बहस चल रही है। लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, तरीकों और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। यदि कोई आंदोलन हिंसा भड़काता है, समाज में घृणा फैलाता है या संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट करने का प्रयास करता है, तो उसकी आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन दूसरी ओर, हर असहमति को देशविरोधी गतिविधि मान लेना भी लोकतांत्रिक भावना के अनुकूल नहीं हो सकता। जनता को सरकार से सवाल पूछने, नीतियों का विरोध करने और अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से आवाज उठाने का अधिकार है। सरकार और विपक्ष, दोनों का दायित्व है कि वे इस अधिकार का सम्मान करें।

देश की एकता का प्रश्न तभी सार्थक बनता है, जब नागरिकों को यह विश्वास हो कि उनकी बात सुनी जा रही है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दे आम लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। इन समस्याओं को लेकर पैदा होने वाली नाराजगी को केवल राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज नहीं किया जा सकता।



सनत जैन

भारत में जनगणना केवल आबादी गिनने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है। देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार हर 10 वर्ष में होने वाली जनगणना है। इसी आंकड़े से सरकार की योजनाएं बनती हैं। संसाधनों का वितरण होता है। भविष्य की नीतियों को दिशा तय होती है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विवाद खड़ा होना निश्चित रूप से चिंता



मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर के धार्मिक आयोजन स्थलों पूजा पंडलों तीर्थ मंदिरों स्नान घाटों पर बड़ंतजामी चरम पर है। कमोवेश सभी जगह एक सी हालत है। अब कोलकाता के उत्तर हिस्से में चित्तरंजन एवेन्यू के पास चोरबागाना दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर शनिवार शाम मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर है। मृतकों में चार पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे बंगाल में हड़कप मच गया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें पूजा समिति के पदाधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोग शामिल हैं. अदालत ने सभी आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. हादसे के बाद सरकार ने भीड़ संभालने के लिए नौ आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है. तमाम हिन्दू धार्मिक आयोजनों दुर्गा पूजा पंडाल गणेश विसर्जन यात्रा में अति उत्साह कुप्रबन्ध बना रहता है आम श्रद्धालु श्रद्धा के अतिरिक्त में घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगकर दर्शन पूजन के लिए अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बड़ंतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। आपको याद दिला दें कि श्रावण मास का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को

का विषय है। वर्ष 2021 में होने वाली जनगणना में 6 वर्ष की देरी के बाद अब 2027 की जनगणना के लिए नियमों में बदलाव ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जनगणना भी अब राजनीतिक विवादों का विषय बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारिज्स्टर कार्यालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जनगणना नियम, 1990 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 18 के तहत किए गए इस बदलाव के अनुसार अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों, सोसायटियों, ट्रस्टों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को भी गणना के काम में लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन जिसे उयुक्त समझे, ऐसे व्यक्ति को भी गणनाकर्मी नियुक्त कर सकता है। सरकार का तर्क है, इतने विशाल देश में जनगणना के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी जुटाना बड़ी चुनौती है। कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या कम है। ऐसे में केवल सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर रहने से शैक्षणिक

कार्य और जनगणना के कार्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, सवाल यह है, कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए क्या चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं? कांग्रेस ने इस बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर और जनगणना को लेकर उसकी तैयारियों का हवाला देते हुए आशंका व्यक्त की है। नए नियमों से संघ से जुड़े लोगों को जनगणना में शामिल करने का रास्ता खोला गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है। कार्नाटक के बेलगांव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जनगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है, कि जनगणना जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में वैचारिक रूप से जुड़े लोगों की भूमिका आंकड़ों की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा करती है। कांग्रेस की चिंता को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हाल के वर्षों में

चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पर उठे विवादों ने संस्थागत विश्वसनीयता को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। चुनाव संबंधी आरोपों और जनगणना में संभावित गड़बड़ी में जातीय और धार्मिक आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनगणना के कर्मचारी किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से तथ्य जुटाने वाले अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। उनकी नियुक्ति, प्रशिक्षण, पहचान, निगरानी और जवाबदेही तय की जाती है। सरकारी कर्मचारी होने के नाते वह अपने काम को नियम के साथ करते हैं और उसके लिए जिम्मेदार भी होते हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है, जनगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह रुकी हुई नहीं है। सरकार के अनुसार 2026 में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का पहला चरण शुरू हो चुका है।

आस्था की कीमत जान देकर चुकाते श्रद्धालु!

श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों का तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारों और श्रद्धालुओं की बड़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत सहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरपराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी। आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पवन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमाला वैकंटेथर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुई रेलमेल में 12 लोगों की जान चली गई थी।रतनगढ़ माता मंदिर, दत्तिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुल टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफरा-तफरी के कारण 20 ब्रतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।नैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में अगस्त 2008 भूस्खलन और चट्टानें गिरने की झूठी अफवाह के बाद फैली दहशत से 162 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई थी।चामुंडा देवी मंदिर, जोधपुर में सितंबर 2008 नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में बम होने की अफवाह फैलने से मची भयंकर भगदड़ में करीब 250 लोगों की जान चली गई थी।सबरीमाला, केरल जनवरी 2011 मकरज्योति के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन दुर्घटना के बाद मची भगदड़ में 104 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।माधारेदी मंदिर, महाराष्ट्र जनवरी 2005 में सालाना यात्रा के दौरान नारियल के पानी से सीढ़ियां फिसलनी होने के कारण लोग गिरते गए, जिसमें 340 से अधिक श्रद्धालु मारे गए थे। पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु को मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी

भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारों न होने के कारण अवसर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती है। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए थे। भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संचालनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने कंटेंट उतरने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है। वास्तविकता यह है कि अनेक धार्मिक आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शेड, मंडप और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इन हादसों की निष्पक्ष जांच कराएं और इन तमाम हादसों के पीछे के तमाम कारणों का विश्लेषण कर जिम्मेदार दणियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

सीजेपी के विरोध में ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय



सौरभ वार्षन्य

लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या ‘लाल हिट जनता पार्टी’, दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मर्यादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉर्कोरक जनता पार्टी के मुकाबले ‘लाल हिट जनता पार्टी’ नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।‘लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है।इस दृष्टि से %लाल हिट जनता पार्टी’ का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है।लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समास करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का



वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण से बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शनों के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निंदोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं की नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि सीजेपी और %लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखेंगे, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्कों समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन

की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण लोकतंत्र का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पृष्ठ आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध का प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता



ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कैरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कैरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कैरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कैरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कैरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कैरियर

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के

क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कैरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपको उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कैरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर ट्रेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।



एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कैरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कैरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कैरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। व कई तरह की ड्रिंक को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कैरियर

जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कैरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैVERN आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरुआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल कॉउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी - एप्लाइड न्यूट्रिशन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं - लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए।

मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।

- उम्मीदवार के पास कम्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है।

इसके लिए 90 मिनट दिए

जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिन्दी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मावर्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लैरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।



टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनलों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरत तो कम नहीं हुई है, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रूप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यू ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सक्की बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलीती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएं और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट

और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढ़ें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद केनवा जैसे ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के

जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑनरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारी में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छापवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिरैक्टीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटि हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी भी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्राहकों की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरु करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्थी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए आपने मेन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्योहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सएप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

आईसीसी रैंकिंग: जिम्बाब्वे सीरीज जीत के बाद नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेगन शट, एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

नंदनी शर्मा ने लगाई 26 स्थानों की छलांग

भारतीय तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। वह 26 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरूआती दो टी20 मुकाबलों में उन्होंने कुल तीन विकेट हासिल किए। पहले मैच में नंदनी ने 11 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ 507 रैंटिंग अंक भी हासिल कर लिए हैं।

क्रांति गौड़ को भी मिला शानदार प्रदर्शन का

फायदा
भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें नंबर पर पहुंच गई हैं। क्रांति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के पहले दोनों मुकाबलों में एक-एक विकेट लिया था। उनकी इस निरंतरता ने रैंकिंग में उनकी स्थिति मजबूत की है और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लिए यह सकारात्मक संकेत है।
शफाली वर्मा चौथे स्थान पर बरकरार

भारतीय बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। शेफाली वर्मा बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में केवल 25 गेंदों पर 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। वहीं, दीप्ति शर्मा ने पहले टी20 मैच में 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जिसके बाद वह एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 37वें नंबर पर पहुंच गईं।

न्यूजीलैंड की जॉर्जिया फ्लिगर और मैडी ग्रीन को फायदा
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉर्थ सिडनी में खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज जॉर्जिया फ्लिगर और मैडी ग्रीन ने भी रैंकिंग में सुधार किया। फ्लिगर ने नाबाद 85 रन की पारी खेली, जो इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। ग्रीन भी नाबाद रहीं और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 162 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से मुकाबला जीत लिया।
मेगन शट वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की सफलता का सबसे बड़ा फायदा तेज गेंदबाज मेगन शट को मिला। उन्होंने तीसरे वनडे में 16 रन देकर चार विकेट लिए और पांच ओवर मेडन डाले। उनकी शानदार गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की टीम की पारी के दौरान स्कोर



चार विकेट पर 45 रन रहा। शट ने पूरी सीरीज में कुल 10 विकेट लिए और दृष्टष्ट महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

एनाबेल सदरलैंड और एलिस पेरी की वनडे रैंकिंग में सुधार

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज एनाबेल सदरलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद

अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह चार स्थान ऊपर चढ़कर महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गईं। उनके रेंटिंग अंक 642 हो गए हैं। एलिस पेरी भी एक स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की सूची में नौवें नंबर पर पहुंच गईं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी उन्होंने 14 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 25वां स्थान हासिल किया।

रोनाल्डो का लगा एक माह का प्रतिबंधा और जुर्माना



लिसबन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पर एक माह का प्रतिबंध लगा गया है। ऐसे में वह इस दौरान मैदान से दूर रहेंगे। उनपर इसके साथ ही 285 डॉलर का जुर्माना ली लगाया गया है। पुर्तगाल फुटबॉल एसोसिएशन ने ये प्रतिबंध रोनाल्डो और राष्ट्रीय टीम के कोच जॉर्ज जीसस के बीच बहसबाजी को लेकर लगाया है। इस मामले की जांच में पुर्तगाली फेडरेशन ने रोनाल्डो को दोषी पाया है।

यह मामला पुर्तगाल की नेशनल फुटबॉल टीम के एक कैंप का है। इसमें 41 वर्षीय रोनाल्डो टीम में अपनी भूमिका को लेकर कोच से सहमत नहीं थे। पुर्तगाली फेडरेशन की अनुशासनात्मक यूनिट ने इस घटना की जांच की और रोनाल्डो पर लगे आरोपों को पूरी तरह से सही पाया। इसी आधार पर उन पर 30 दिन का प्रतिबंध और 285 डॉलर (तकरीबन 23,700 रुपये) का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं रोनाल्डो का आरोप है कि कोच ने उनसे दो बार वादाखिलाफी की। नेशंस लीग में डेनमार्क के खिलाफ अहम मैच से पहले क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पुर्तगाल टीम का कैंप छोड़कर चले गए थे। उन्होंने

सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाए कि नॉर्वे के खिलाफ उन्हें स्थानांतर खिलाड़ी के तौर पर भी मैदान पर नहीं उतारा गया, और उनके टीम में भूमिका को लेकर कोच अपना वादा दो बार तोड़ चुके थे। वहीं कोच ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि टीम में रोनाल्डो की वापसी के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि रोनाल्डो ने अनुशासनात्मक नियमों की धारा 160(1) का उल्लंघन किया था। हालांकि बयान में यह खुलासा नहीं किया गया है कि रोनाल्डो का यह 30 दिन का प्रतिबंध किन मैचों पर लागू होगा और किस अवधि के लिए वह निर्बलित रहेंगे, या फिर उनका सस्पेंशन पहले ही पूरा हो चुका है। इस अस्पष्टता ने स्थिति को और उलझा दिया है।

वहीं रोनाल्डो के पास इस सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। हालांकि, वह इस संबंध में पहले ही माफी मांग चुके हैं और उन्होंने कहा था कि उन्हें पहले से ही किसी न किसी सजा मिलने की उम्मीद थी। 30 दिनों के सस्पेंशन और जुर्माने पर उन्होंने कोई व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कैफ ने भुवनेश्वर की वापसी को सही करार दिया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भारतीय टीम में वापसी को सही करार दिया है। कैफ का कहना है कि भुवनेश्वर भी जसप्रीत बुमराह की तरह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। कैफ ने कहा कि खेल को लेकर जुनून और कठिन अभ्यास उनकी उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर चयन के बारे में ज्यादा सोचने की जगह केवल अपने प्रदर्शन के बारे में अपनी जगह पकड़ी करते हैं। कैफ के अनुसार जो खिलाड़ी चयन के बारे में अधिक नहीं सोचते उन्हें कम दबाव होता है जिससे वे निराशा से बचते हैं। भुवनेश्वर इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि उनका एकमात्र काम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। कैफ ने भुवनेश्वर के गेंदबाजी कौशल की भी प्रशंसा की है। वह यॉर्कर, इन-स्विंग, अप-स्विंग, नकल बॉल और

महिला प्रीमियर लीग नीलामी 2027 में होगी कड़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (इंएमएस)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए नीलामी इस माह के अंत में केरल के कोच्चि में होगी। 28 अक्टूबर को होने वाली इस नीलामी में कुल 146 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इस दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी के पास केवल 27 खिलाड़ियों के लिए स्लॉट उपलब्ध हैं, जिससे यह बोली प्रक्रिया बेहद कड़ी रहेगी और इसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही अवसर मिल सकेगा। हर खिलाड़ी के लिए इस नीलामी के जरिये डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण में अपनी जगह पकड़ी करने का अवसर रहेगा।

इस नीलामी में बल्लेबाज जी कमलनिनी, हरफज्रामौला स्नेह राणा, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू और श्रीलंका की कप्तान चामरी अयापट्टू पर बड़ी बोली लगा सकती है। ये अनुभववी खिलाड़ी इस डब्ल्यूपीएल लीग का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और स्कोर

27 स्लॉट के लिए 146 खिलाड़ी के बीच है मुकाबला



उम्मीद है कि इन पर जमकर बोली लगेगी। नीलामी सूची में खिलाड़ियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार बांटा गया है। इसमें 22 भारतीय केप्ट खिलाड़ी, 14 विदेशी केप्ट खिलाड़ी, 97 अनेकेड भारतीय खिलाड़ी और 13 अनेकेड विदेशी खिलाड़ी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी अपनी टीम की जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं।

अनुभव और पिछले प्रदर्शन के आधार पर, खिलाड़ियों को विभिन्न बेस प्राइस श्रेणियों में रखा गया है, जिसमें उच्चतम 50 लाख रुपये है। इसके अलावा 40 लाख, 30 लाख, 20 लाख और 10 लाख रुपये की अन्य श्रेणियां भी हैं। यह वर्गीकरण खिलाड़ियों की गुणवत्ता और फ्रेंचाइजी की रणनीतिक जरूरतों को दिखाता है। मुंबई इंडियंस द्वारा नीलामी से

पहले रिलीज की गई विकेटकीपर-बल्लेबाज जी कमलनिनी को 40 लाख रुपये के बेस प्राइस वाली श्रेणी में रखा गया है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स द्वारा रिलीज की गई स्नेह राणा और श्रीलंका की कप्तान चामरी अयापट्टू को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस वाली श्रेणी में जगह मिली है। 40 लाख रुपये की श्रेणी में भारत की किरण नवगिरि और ऑस्ट्रेलिया की हौथर ग्राहम तथा जेस जोनासन जैसी प्रमुख खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिनके लिए टीमों में जगह बनाना प्रबल है। ये खिलाड़ी अपनी टीमों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखते हैं।

वहीं सबसे अधिक बेस प्राइस वाली श्रेणी, 50 लाख रुपये, में केवल दो खिलाड़ी हैं। इनमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा रिलीज की गई ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर सोफी मोलिन्यू और इंग्लैंड की सोफिया डंकली शामिल हैं। इन दोनों ने ही साल 2024 में गुजरात जायंट्स के लिए खेला था।

स्टार्क ने 775 अंतर्राष्ट्रीय विकेट पूरे कर बनाया रिकार्ड, विश्व के आठवें गेंदबाज बने

म्केबेर्हा। दक्षिण अफ्रीका के म्केबेर्हा में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही स्टार्क ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के 775 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व के आठवें सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के दौरान एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर स्टार्क ने यह आंकड़ा छुआ। इस उपलब्धि के साथ ही स्टार्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज तेज गेंदबाजों के विशिष्ट वलब में शामिल हो गये हैं। तेज गेंदबाजों की सूची में, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव 687 विकेट के साथ 13वें पायदान पर हैं। वहीं, अगर हम सभी प्रकार के गेंदबाजों की बात करें, तो दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 956 विकेट के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की सूची में, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 991 विकेट के साथ ही नंबर एक पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा 949 और पाकिस्तान के वसीम अकरम 916 विकेट शामिल हैं। इस विशिष्ट वलब में 8वें स्थान पर आकर स्टार्क इन खिलाड़ियों की श्रेणी में आ गये हैं। न्यूजीलैंड के टिम साउथी 776 विकेट के साथ स्टार्क से ठीक ऊपर सातवें स्थान पर हैं।



मुख्य चयनकर्ता के तौर पर प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। अजीत अगरकर की जगह पर नये मुख्य चयनकर्ता बने प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं है। अजीत अगरकर की जगह लेने वाले ओझा के लिए यह भूमिका बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। उनकी अस्थिरता में नई चयन समिति में शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार को शामिल किया गया है। वहीं वनडे विश्व कप में अब जबकि एक साल से भी कम का समय बचा है। उन्हें सभी प्रारूपों के लिए टीम को बेहतर बनाना होगा। चयन समिति को ऐसे खिलाड़ियों का चुनाव करना होगा, जो भारत को सभी फॉर्मेट में विश्व चैंपियन बना सकें। वहीं उन्हें ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित

शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को साधना रहेगा। उन्हें तटस्थ होकर कड़े फैसले लेने होंगे। यह जिम्मेदारी उन्होंने ऐसे समय में संभाली है, जब भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, रोहित शर्मा और विराट कोहली, अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यदि रोहित शर्मा आगामी एकदिवसीय सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो क्या ओझा उन्हें टीम से बाहर करने जैसा मुश्किल फैसला ले पाएंगे? यह सर्वविदित है कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और अगरकर के बीच विचारों में मतभेद था। दिलचस्प बात यह है कि चयनकर्ताओं के ऐसे किसी भी फैसले की जानकारी रोहित को स्वयं ओझा ने ही दी थी, जो अब अस्थिर के रूप में उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

वहीं उनकी दूसरी परीक्षा युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच तालेमल स्थापित

करना है। एक ओर जहां भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई है, वहीं मोहम्मद शमी जैसे कई और अनुभवी खिलाड़ी भी अपनी वापसी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इसके ठीक उल्ट, यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान जैसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम में शामिल नहीं किए जा रहे हैं। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को न केवल इन खिलाड़ियों से प्रभावी ढंग से संवाद करना होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे निराश होकर विद्रोही न हो जाएं या उनका मनोबल न गिरे। सही संतुलन बनाना उनकी रणनीतिक कुशलता की असली परख होगी।

वहीं तीसरी और शायद सबसे बड़ी चुनौती अपने पूर्ववर्ती मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के प्रदर्शन की बराबरी करना और उनसे बेहतर छाप छोड़ना है। अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कुछ महत्वपूर्ण



टूर्नामेंट्स में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और फाइनल तक का सफर तय किया था। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को भी टीम से बेहतर प्रदर्शन लेना होगा।

अकरम के शीर्ष पांच पसंदीदा क्रिकेटों में विराट भी शामिल



लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपने पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटरों में भारत के विराट कोहली को भी शामिल किया है। वहीं हेरानी की बात है कि अकरम ने सुनील गावस्कर जैसे महान खिलाड़ी को इस सूची में जगह नहीं दी है। अकरम ने पहले नंबर पर वेस्ट इंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को रखा है। वहीं नंबर 2 पर वेस्टइंडीज तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस को जगह दी है। नंबर 3 पर अकरम ने अपने ही देश के पूर्व कप्तान इमरान खान और नंबर 4 पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट को जगह दी है जबकि पांचवें नंबर पर विराट कोहली को रखा है। अकरम की इस सूची में गावस्कर और तेंदुलकर शामिल नहीं हैं। गौरतलब है कि रिचर्ड्स गुजर जमाने के सबसे आक्रमक क बल्लेबाज रहे हैं। रिचर्ड्स ने टेस्ट में 121 मैच खेलकर कुल 8540 रन बनाए हैं जिसमें 24 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे, वहीं, 187 एकदिवसीय में 6721 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे हैं। टेस्ट में रिचर्ड्स ने 50.23 की औसत के साथ रन बनाए तो वहीं, एकदिवसीय में उन्होंने 47.00 के औसत के साथ रन बनाने में सफलता हासिल की थी। गौरतलब है कि अकरम ने अपने टेस्ट करियर में 104 मैच में कुल 414 विकेट लिए हैं जबकि एकदिवसीय में उनके नाम 356 मैच में कुल 502 विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर डरे हुए हैं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डफी

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर जहां प्रशंसकों में उत्साह है। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। डफी को ये डर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर है। भारतीय टीम 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में मेजबान कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में प्रशंसक वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव ने बहुत कम समय में एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी विस्फोटक पारियों के बाद सीधे भारतीय टीम में जगह बनाई। अब तक खेले गए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वैभव ने 246 रन बनाये चुका है, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं।

वहीं डफी ने वैभव को आईपीएल के दौरान करीब से बल्लेबाजी करते देखा है और वह अच्छे तरह जानते हैं कि जब यह युवा बल्लेबाज अपनी लय में होता है, तो गेंदबाजों के लिए कितनी बड़ी चुनौती पेश करता है। खूबी से डफी थोड़े चिंतित जरूर हैं पर उन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के हालात वैभव के लिए भी अलग होंगे। डफी आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल थे वैभव के बारे में बात करते हुए कहा, वह एक जबरनस्त प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने आईपीएल में जमकर रन बनाये हैं। सबसे कमाल की बात यह है कि वह जोरदार तरीके से मारता है और वह ऐसा लगातार करता है। वह हर मैच में 25.0 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहा है और वह बहुत कम मौकों पर चूकता है।

यह पहली बार है जब वह न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं, और यहां की परिस्थितियां उनकी क्षमताओं की कड़ी परीक्षा लेंगी। जफ्री का मानना है कि न्यूजीलैंड की पिचों पर मिलने वाला अतिरिक्त उछाल और गेंद का सीम मूवमेंट युवा बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, यह उसका पहला दौर है, है ना? मुझे पक्का नहीं पता, भारत के बाहर, शायद वह इंग्लैंड में खेला है। उसके लिए न्यूजीलैंड की परिस्थितियां थोड़ी अलग होंगी तो जाहिर है कि यह उसके लिए एक चुनौती होगी। लेकिन हमने निश्चित रूप से उसके खेल का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और हमारे पास योजना है कि उसके खिलाफ क्या करना है। न्यूजीलैंड टीम ने इस युवा भारतीय प्रतिभा के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने के लिए पूरा होमवर्क किया है, जिससे यह सीरीज और भी दिलचस्प होने वाली है।



और इंग्लैंड के बॉब विलिस ने भी 128–128 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम 117 विकेट हैं। कई दूसरे गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में 100 से ज्यादा विकेट लिए हैं। भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो अश्विन और अनिल कुंबले को ही इस सूची में जगह मिली है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 114 विकेट लिए, जबकि कुंबले ने नाम 111 विकेट हैं। दोनों गेंदबाजों ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कई बार हैरान किया है। अश्विन साल 2023 में कुंबले को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेकर अश्विन और कुंबले ने भारतीय गेंदबाजों की धाक जमाने के साथ ही युवाओं को प्रेरित भी किया क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी आक्रमण काफी अच्छा माना जाता रहा है।



जानकारी

लंबे समय तक लिवर देगा साथ, इन आदतों पर दें ध्यान

लि | वर शरीर का मजबूत अंग है। इसमें खुद को ठीक कर लेने की अदभुत क्षमता होती है। इसकी ज्यादातर समस्याएं खान-पान और आदतों में सुधार करने से ही ठीक हो जाती हैं। हमारी दिनचर्या और खान-पान का लिवर की सेहत पर गहरा असर पड़ता है। अधिक मसालेदार और वसायुक्त भोजन करना, दूषित पानी का सेवन करना, एल्कोहल व धूम्रपान करना, संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, पेट संबंधी छोटे-मोटे रोगों को नजरअंदाज करने या ज्यादा दवाएं खाने का बुरा असर लिवर पर पड़ सकता है। लिवर को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित भोजन खाना बेहद जरूरी है। साथ ही इन आदतों पर भी ध्यान दें...



- एल्कोहल और धूम्रपान से बचें। शराब के सेवन से पहले लिवर फूलता है, फिर सिकुड़ने लगता है।
- मोटापा या वजन धीरे-धीरे कम करें। नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, तेज गति से पैदल चलें।

- अपने पसंद के खेल खेलें, तैराकी या साइक्लिंग करें।
- कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर का स्तर नियंत्रित रखें।

- संतुलित भोजन करें।
- आहार में फाइबर युक्त चीजें जैसे-ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, चोकर

युक्त आटे से बनी रोटियां शामिल करें।

- शर्करा युक्त चीजें, मिष्ठान, शीतल पेय पदार्थ, जूस, अधिक तला भुना या गरिष्ठ भोजन करने से परहेज करें।

- आइसक्रीम, मिल्क शेक, फ्रूट क्रीम जैसी चीजें कम मात्रा में लें।
- गैर-जरूरी दवाएं या स्टेरॉइड खाने से बचें। बिना डॉक्टर की सलाह कोई दवा न लें। पूरी नींद जरूर लें। नींद की कमी से भी लिवर पर दबाव पड़ता है।

आयुर्वेद के ये उपाय भी देंगे राहत

- दिनभर में 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। भोजन से पहले और बाद तकरीबन एक घंटे के अंतराल में पानी पीएं।
- 5 ग्राम नीम की अंतर छाल, 5 ग्राम पीपल की छाल का काड़ा सुबह-शाम पीएं।
- लस्सी को हल्का गुनगुना कर उसमें हल्दी और जीरे का छौंक लगाकर पीएं।
- आक के 2 छोटे नए पत्ते गुड़ के साथ 3 दिन सूरज निकलने से पहले खाएं।
- नियमित रूप से नारियल पानी, संतरे का रस व जौ का पानी पीएं।
- गेहूं के ज्वारे को चबाकर खाएं या उसका जूस पीएं।
- हल्दी वाला पानी पीएं। खाने में हल्दी की मात्रा बढ़ाएं। रात के समय गर्म दूध में एक छोटा चम्मच हल्दी मिलाकर पीएं।
- खाने के साथ गाजर व टमाटर का सलाद खाएं।
- 3 ग्राम अजवायन में एक चुटकी काला नमक मिलाकर खाएं।
- 2 चम्मच पपीते के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर 2-3 बार लें।
- छोटा चम्मच सेब का सिरका, एक गिलास पानी और एक चम्मच शहद के साथ मिलाकर पीएं।
- एक गिलास पानी में एक छोटा चम्मच मुलेठी की जड़ का पाउडर मिलाकर उबालें। छान कर और उंडा कर पीएं।
- ग्रीन टी पीएं।

नैचुरल तरीके से पाएं अनचाहे बालों से छुटकारा

शरीर पर अनचाहे बालों से हर कोई छुटकारा पाना चाहता है। आमतौर पर लोग वैक्सिंग या शेविंग करवाना ही ठीक समझते हैं। लेकिन इन सबके परिणाम लंबे समय तक नहीं रहते हैं। साथ ही यह सब तरीके कड़ लोगों को दर्दनाक भी लगते हैं। अगर आप बालों को हटाने के दर्दनाक तरीकों का चयन नहीं करना चाहते हैं तो वलिंग आज हम आपको घर पर प्राकृतिक रूप से अनचाहे बालों को हटाने के लिए कुछ संपल से टिप्स बताते हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अपने शरीर के किसी भी हिस्से पर अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकते हैं।

बेकिंग सोडा, सरसों का तेल

आपको एक कटोरी में बेकिंग सोडा, हल्दी पाउडर और सरसों का तेल लेना है। अब इस घोल को गाढ़ा होने तक आपको अच्छे तरीके से हिलाना है। तैयार पेस्ट को 5 से 7 मिनट के लिए बालों वाली जगह पर लगा रहने दें। इस उपाय में आपको अपने बालों को स्पेचुला की मदद से विपरीत दिशा उतारना है। उसके बाद आप बॉज वाइपर या फिर सादे पानी से बॉडी को साफ कर सकते हैं।

बेसन और हल्दी

यह मारक न केवल आपके शरीर और चेहरे के अनचाहे बालों को हटाता है बल्कि आपकी त्वचा को सनटन और मृत कोशिकाओं से छुटकारा पाने में भी मदद करता है। यह घरेलू उपाय बेहद सेंसेटिव त्वचा वाले लोगों के लिए भी उपयुक्त है। इस मारक को तैयार करने के लिए आपको एक कटोरे में बेसन, हल्दी पाउडर, कच्चा दूध और मलाई लेनी है। इस पेस्ट को आपको लगाने के बाद 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ देना है। इस मारक को हल्के हाथों से रगड़-रगड़ कर आपको रिकन से उतारना है। हफ्ते में 2 से 3 बार इस विधि को अपनाने से आप देखेंगे कि आपके शरीर पर अनचाहे बालों की ग्रोथ नैचुरल तरीके से कम होनी शुरू हो जाएगी।



कच्चा पपीता और हल्दी

आपको कच्चे पपीते को एक कटोरी में काट लेना है। उसमें एक से दो चम्मच हल्दी पाउडर डालनी है। अब दोनों को अच्छी तरह मिव्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। अब इस पेस्ट को आपको अपनी शरीर पर हल्के हाथों से मलना है। मसाले को बाद 20 मिनट तक आपको इसी तरह बैठे रहना है। उसके बाद हल्के गुनगुने पानी के साथ आपको त्वचा को साफ कर लेना है। हो सकता है आपको शरीर कुछ देर तक पीले रंग का दिखे, इसलिए इस उपाय को आप कुछी वाले दिन ही करें तो बेहतर रहेगा। पीपलपन 3 से 4 घंटे में गायब हो जाएगा। इस उपाय को हफ्ते में 2 बार करने से आपके शरीर पर

अनचाहे बाल धीरे-धीरे हल्के होने शुरू हो जाएंगे।

इन सबके अलावा जिन लोगों को वैक्सिंग करवाना दर्दनाक नहीं लगता, उनकी समस्या समय की कमी का होना है। ऐसे में वह बाजार में मिलने वाली हेयर रिमूवल स्ट्रिप्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आजकल लेजर ट्रीटमेंट में काफी चर्चा में है। लेकिन यह उपाय थोड़ा सा आपकी पॉकेट पर भारी पड़ सकता है। साथ ही हो सकता है कि यह ट्रीटमेंट आपकी त्वचा पर सटूबल भी न बैठे। इसलिए किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लिवा इतना बड़ा स्टैप उठाने की गलती कभी भी न करें।



चेहरे की चमक रखें बरकरार

क्या आप अपनी त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं लेकिन फिर भी प्रभावी परिणाम नहीं मिल रहे हैं? इसके लिए आपकी कुछ आदतें हैं जिन्हें दोष दिया जा सकता है। ये आदतें आपकी त्वचा के स्वास्थ्य को चुपचाप नुकसान पहुंचा रही हैं। आपको अपने संपूर्ण स्वास्थ्य के साथ-साथ त्वचा का पालन करने की आवश्यकता है। ऐसी कुछ आदतें हैं, जो आपकी त्वचा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। त्वचा की सभी अवर्णिता समस्याओं से बचने के लिए आपको इन खराब आदतों से तुरंत छुटकारा पाने की आवश्यकता है। आप निम्नलिखित छोटे-छोटे बदलावों को कर के कुछ ही समय में दमकती त्वचा हासिल कर सकती हैं।

1. पर्याप्त पानी नही पीना

उचित जलयोजन आपकी त्वचा की सभी समस्याओं का अंतिम समाधान है। यह आपकी त्वचा को चमकदार बनाए रखने का सबसे आसान तरीका भी है। जब आप पर्याप्त पानी पीते हैं तो यह आपके शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और आपकी त्वचा को शुद्ध करता है। कुछ दिनों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं और आपको कुछ ही दिनों में सुधार दिखाई देगा। यह आपकी त्वचा को जवां बना देगा और आपको प्राकृतिक चमक प्रदान करेगा।

2. बिना मेकअप उतारे सोना

इन दिनों हर किसी को मेकअप बहुत पसंद होता है और यह काफी टैंड बन गया है। आपका मेकअप करना आपका दिन का पसंदीदा हिस्सा हो सकता है लेकिन अगर आप इसे सोने से पहले नहीं उतारती हैं तो यह आपकी त्वचा की सेहत को खराब कर सकता है। बिस्तर पर जाने से पहले सुनिश्चित करें कि आप पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह से साफ कर लें और सारा मेकअप हटा दें। यह आपकी त्वचा के छिद्रों को सांस लेने में मदद करेगा। अगर आप मेकअप का इस्तेमाल करती हैं तो हर दिन सोने से पहले अपने चेहरे को साफ करें।

3. शुगर युक्त आहार को कहें न

एक स्वस्थ आहार न केवल एक स्वस्थ वजन बल्कि आपकी त्वचा के स्वास्थ्य को भी बनाए रखेगा। चीनी में उच्च आहार आपकी त्वचा को खराब कर सकता है। यदि आपका आहार चीनी से भरा हुआ है तो आप बार-बार मुंहासे का अनुभव कर सकती हैं।

सुझाव

इस प्रयोग से करें सांसों की बदबू दूर

घर पर ही बनाएं माउथफ्रेशनर

दां | तों की नियमित सफाई नहीं करने से मुंह से कई बार बदबू आने लगती है। जो लंबे समय तक बनी रहती है। हालांकि मुंह से बदबू अन्य कारणों से भी आ सकती है। यह आपके लिवर खराबी का भी संकेत है। साथ ही आपकी पाचन क्रिया अगर सही नहीं हो तो भी आपके मुंह से बदबू आ सकती है। इसलिए अगर लंबे समय तक समस्या रहे तो चिकित्सक की सलाह जरूर लेनी चाहिए। लेकिन कुछ नार्मल कारणों की वजह से आए तो आज हम आपको कुछ ऐसा उपाय बता रहे हैं जिन्हें आप आसानी से घर पर ही कर सकते हैं। ...तो आइए जानते हैं इन घरेलू माउथ फ्रेशनर के बारे में।

लेमन वाटर का करें प्रयोग

नींबू में एसिडिक गुण होते हैं, जो मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इससे सांसों की बदबू तो दूर होती ही है, साथ ही दांतों में भी सफेदी रहती है। माउथ फ्रेश बनाने के लिए दो चम्मच ग्लिसरीन लेकर इसमें कुछ बूंद नींबू का रस मिलाएं और फिर इससे दिन में दो से तीन बार कुल्ला करें। आपके मुंह से बदबू आने की समस्या खत्म हो जाएगी।

पुदीने व अदरक से बनाएं माउथ फ्रेशनर

आयुर्वेदिक माउथफ्रेशनर बनाने के लिए घरेलू नुस्खों का प्रयोग किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए आपको अदरक, पुदीना, हल्दी और दालचीनी की जरूरत पड़ती है। इसके लिए एक बर्तन में 4 कप पानी लें और इन सभी चीजों को मिला दें, व धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकने दें। दस मिनट बाद इसे ठंडा कर लें और दिन में करीब तीन से चार बार इससे कुल्ला करें। एक सप्ताह तक ऐसा करने से आपके मुंह की सारी बदबू दूर हो जाएगी।

एलोवीटा



अगर आपके मुंह से बात करते समय तेज स्मेल आती है, तो 3-4 दिन में ये माउथफ्रेश आपकी इस समस्या को समाप्त कर देगा। इसमें एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण पाए जाते हैं। जिनसे मसूड़े स्वस्थ बनते हैं। साथ ही मुंह की सारी गंदगी साफ हो जाती है। इसे बनाने के लिए दो चम्मच बेकिंग सोडा और दो चम्मच पिपरमेंट का तेल लेकर एलोवेरा के जूस में मिला लें। साथ ही इसमें थोड़ा गर्म पानी मिला लें। और दिन में तीन बार कुल्ला करें। इससे आपके मुंह की सारी गंदगी दूर हो जाएगी और बदबू भी दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल



मेष

चू चे घो ला ली

लू ले लो आ

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

वृष

इ उ ए ओ वा

वी वू वे वो

वृष

का की कू ख ड

छ के को हा

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेर ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह

मा नी मू ने गो

रा टी ठू टू

बुरे संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुत्वनि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

कर्क

ही हू हे हो डा

डी डू डे डो

कर्क

दो पा पी पू ष

ण र पे पो

तुला

रा टी छ रे दो

ता ती तू ते

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसन को त्याग करें, संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु

वे वो मा नी मू

धा फा डा णे

भावनाओं का उद्देग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्यह परचात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बने चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-4-6

मकर

ने जा नी छी खू

खे खो गा गी

कुंभ

गू गो गो सा

सी खू से खो वा

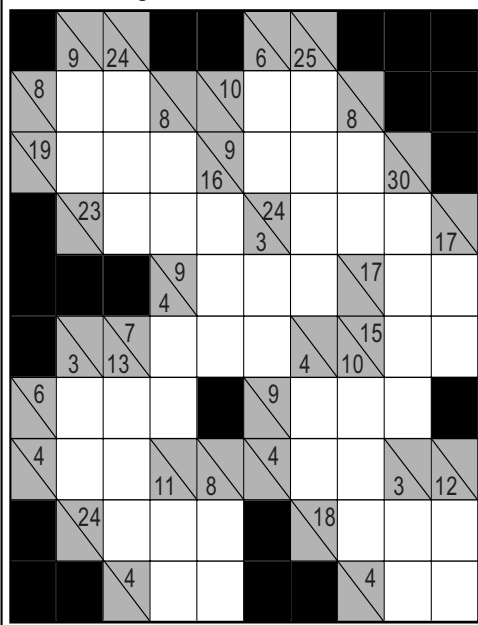
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्य से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का परचाताप होगा। विचार्यों का लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

मीन

री दू थ ज्ञ ज दे

दो चा ची

काकुरो पहेली - 4045

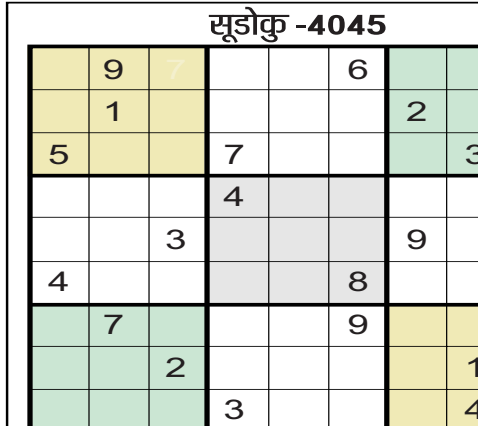


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

6	1	2	3	4	6
5	6	7	8	9	35
4	6	7	8	9	34
5	6	7	8	9	29
6	7	8	9	30	

काकुरो - 4044 का हल



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते...
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

लॉफिंग जॉन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

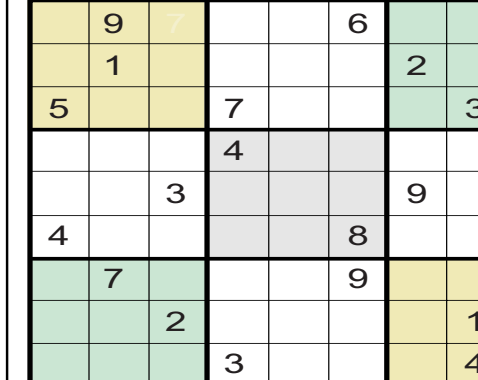
एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो। भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

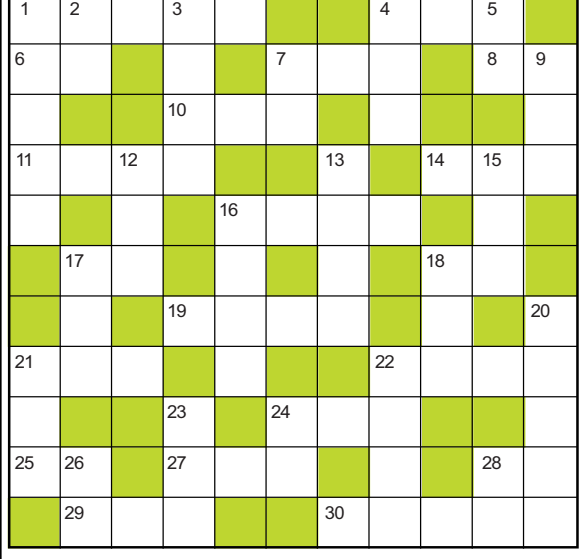
भगवान ने कहा- तथास्तु। अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

सूडोकु -4045



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते...
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 4045



बाएँ से दाएँ

- पदमाकर, कमल सरोवर-5
- इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
- देवस्थान, मंदिर-2
- शिव आवास-3
- उत्तम, सज्जन-2
- पति, शोहर-3
- दमकना-4
- टीस, पीड़ा-3
- झरने की आवाज-4
- आशा, इच्छा-2
- संध्या, शाम-2
- निराकार, भगवान-4
- बुझाना, शांति-3
- अभिप्राय-4
- आंचल-3
- घोड़ागाड़ी-2
- उष्ण-3
- पिता के पिता-2
- पंक्ति-3
- तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

- कथा कहने वाला-5
- चित, जी-2
- कार्यशाला, यंत्रालय-4
- माहिर, दक्ष-3
- आकाश, गगन-2
- कारावास-2
- योग्य-3
- अनुमान, अंदाज-3
- झगड़ा, कहासुनी-4
- मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
- पक्षियों का शोर-4
- राहत, विश्राम-3
- मुसीबत, आफत-3
- होशियार, चेतनशील-5
- नगर-3
- संजीव कुमार

व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म

- मगरमच्छ-3
- दर, मूल्य-2
- भूमि, धरती-2
- पिता के पिता-2

शब्द पहेली - 4044 का हल





सोशल मीडिया पोस्ट के कमेंट्स में क्या दूँदती थीं हरलीन

एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने बातचीत में बताया कि वह अपने गोरे-चिट्ठे भाई से खुद की तुलना करती थीं। रंग को लेकर यह झिझक एक्टिंग में आने के बाद भी उनका पीछा करती रही। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' के दौरान वह दर्शकों के कमेंट्स में भी अपनी स्किन को लेकर प्रतिक्रिया दूँदती थीं। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब उन्हें एहसास हुआ कि लोग उन्हें उनके रंग के लिए नहीं, उनके काम के लिए पसंद कर रहे हैं।

मैं डस्की थी और मेरा भाई गोरा-चिट्ठा
हरलीन के मुताबिक, रंग को लेकर उनकी झिझक किसी एक व्यक्ति की कही बात से नहीं आई। वह खुद की दूसरों से तुलना करती रहीं और धीरे-धीरे यह बात उनके मन में बैठ गई। हरलीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये ज्यादा सेल्फ-इम्प्लवटेंट ही था। जब आप एक तरीके के दिखते हैं और आपको मम्मी एक अलग तरीके की दिखती हैं, तो आपको लगता है कि यार, ये कैसे है? मेरा भाई मेरी माँ पर गया था। मेरा भाई भी बहुत सुंदर है। वो एकदम गोरा-चिट्ठा था और मैं डस्की। तो मुझे लगता है कि ये चीज खुद से ही आई।' वह बताती हैं कि बचपन से ही भाई करण के लुक्स की खूब तारीफ होती थी। 'सब उसको कहते थे कि तुम कितना सुंदर हो। हम

कहीं भी जाते थे तो लोग पूछते थे कि यार, तू कब हीरो बन रहा है, तू कब एक्टर है। उसको इतना गुड लुकिंग कहते थे। उसके दिमाग में डाल देते थे कि तुम अच्छे दिखते हो, तुम कैमरे के सामने आ सकते हो। मैं खुद को अपनी माँ से कंपेयर करती थी और फिर अपने भाई से। आप पापा के फेवरिट हो और भाई का फेवरिट है। तो एक तो माँ के साथ कंपेयर, ऊपर से भाई वैसे ही सुंदर है और वो भी फेवरिट है। तो बहुत सारी चीजें थीं।'

डर था कि लोग मुझे देखकर क्या कहेंगे
हरलीन ने 29 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। ऐसे में कैमरे के सामने अपने लुक्स को लेकर वह पहले से ज्यादा कॉन्शस थीं। 'मेरा तो ऐसा भी नहीं था कि बचपन से मुझे पता था कि मुझे एक्टर बनना है, बड़े पर्दे पर आना है। मैंने उस तरीके से कभी एक्टिंग नहीं सीखी। कभी अपने लुक्स का ध्यान नहीं दिया। मैंने बहुत लैट शुरूआत की, 29 पर। आप लड़कियों का करियर ग्राफ देखो जो फिल्मों गैरह में आती हैं। वो सब 16-17 पर शुरू करती हैं। तो मैं 29 पर शुरू कर रही हूँ। तो कॉन्शसनेस होती है कि क्या आप अच्छे दिखते हो स्क्रिन पर, आप कैसे दिखते हो।' 'सबसे ज्यादा तनाव इस बात का था कि ब्रोकन में

जब मुझे लोग देखेंगे तो कैसे देखेंगे। मुझे इतना प्यार मिला। लोग मेरी एक्टिंग की तारीफ कर रहे थे। लेकिन मैं उन कमेंट्स और डीएम में दूँदती थी कि यार, स्किन के बारे में किसी ने कुछ कहा? इतने प्यार के बीच आज तक मुझे याद नहीं कि एक भी कमेंट मेरी स्किन को लेकर आया हो। वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उस समय मैं अपनी माँ के सामने रोई। तब मुझे समझ आया कि लोग आपके स्किन, टैलेट और स्क्रिन पर आपके काम की तारीफ करते हैं। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत अलग शुरुआत थी। ब्रोकन ने मुझे एक बहुत बड़ी चीज दी।'

इसके बाद हरलीन उम्र और हार्मोनल बदलावों की भी बात करती हैं

'पीसीओडी एक ऐसी चीज है, जो आपको लाइफस्टाइल से रिलेटेड है। जैसी आपको लाइफ है, सोना, खाना, पीना, वर्कआउट नहीं करना, बहुत सारी चीजें हैं। तो वो ऊपर-नीचे चलता रहता है। साथ ही, इस उम्र में ये बहुत हार्मोनल भी है। हम जिस एज में जा रहे हैं, गर्ल्स, हार्मोन्स के साथ हर रोज आप अलग दिखते हो। कभी आपकी आँखें पफी हैं, कभी फेस पर वॉटर रिटेंशन है, कभी बॉडी में ब्लोटिंग है।

कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं

हरलीन अब मानती हैं कि एक्टिंग में अपने लुक से ज्यादा किरदार पर ध्यान देना जरूरी है। 'एक कॉमन मैन भी सेल्फी खींचता है तो 10 खिंचाता है। 10 में से एक चूज करता है और वो सोशल मीडिया पर डालता है। एक एक्टर के लिए कितना हार्ड है सोचो। अगर आपने एक ही टेक दिया और वो उस एंगल से है जो डायरेक्टर को जाएगा। हो सकता है वो सबसे प्लेटरिंग न हो, लेकिन सीन के लिए राइट हो। तो ये चीजें आप कंट्रोल नहीं कर सकते। आपको बस ये भूलना पड़ता है कि आप कैसे दिख रहे हो। बस कैरेक्टर के माइंड में रहो। कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं।'



कुब्बा सैत ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी

अपनी बेबाक राय और बेझिझक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्बा सैत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में महिलाओं की आवाज बनने के लिए सम्मानित किए जाने पर महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी। महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष करने की क्षमता को सिखाने की जरूरत वाली सोच पर सवाल उठाते हुए अभिनेत्री ने सशक्तिकरण और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने की आजादी को लेकर एक नया नजरिया पेश किया है। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कुब्बा सैत ने कहा, ऐसे किसी भी मंच से जुड़ना, जो महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है, मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। और ऐसा इसलिए नहीं है कि आज हालात बहुत खराब हैं और महिलाओं को मदद की जरूरत है। मेरा मानना है कि महिलाएं सदियों से साहसी और संघर्षशील रही हैं। अगर कुछ है, तो वह यह कि हमने हमेशा अपने हक और अपनी इच्छाओं के लिए लड़ाई लड़ी है। यह दर्ज किया गया हो या नहीं, लेकिन कहीं न कहीं हम यह मानने लगे हैं कि यह पुरुषों की दुनिया रही है। हालांकि आपके पिछले पैनल में भी देखा कि किस तरह पुरुषों ने हमें वह महिला बनने का अवसर दिया, जो हम बनना चाहते हैं। और खासकर जब यह बात राजनीतिक स्तर पर कही जाती है, तो इसे सुनना बहुत अच्छा लगता है। रही मेरी बात तो मैं यही कहना चाहूंगी कि महिलाओं के सशक्तिकरण की आवाज बनने के लिए सम्मानित होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। हालांकि, मुझे लगता है कि मुझे बस अपनी जिंदगी जीने, उसे पूरी तरह से अनुभव करने, गलतियां करने से न डरने और खुद के लिए एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि मैं एक महिला हूँ। फिलहाल अपने इस दमदार बयान के साथ कुब्बा ने बातचीत को एक बार फिर व्यक्तिगत पहचान और स्वतंत्रता की ओर मोड़ दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि सशक्तिकरण केवल महिला होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी पसंद से जिंदगी जीने, फैसले लेने और अपने अनुभवों के जरिए खुद को समझने की आजादी से भी जुड़ा है।



संजय लीला भंसाली की फिल्म 'महाकाल' में साथ दिखेंगे अक्षय और राणा

संजय लीला भंसाली एक भव्य पौराणिक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'महाकाल' नाम की इस फिल्म में अक्षय कुमार और राणा दग्गुबाती लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता चंद मोडेटी को मिलने की बात कही जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भंसाली को चंद का पिछला काम पसंद आया था। चंद ने 'कार्तिकेय 2' का निर्देशन किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। भंसाली ने इसी वजह से 'महाकाल'

के निर्देशन के लिए उनसे संपर्क किया है। 'महाकाल' पौराणिक फिल्म बताई जा रही है। इसकी शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाराणसी में किया जा सकता है। फिल्म में पौराणिक दुनिया के साथ अलौकिक और थ्रिलर एलिमेंट्स भी होने की बात कही जा रही है। इसकी कहानी किसी एक देवता के इर्द-गिर्द नहीं होगी। इसमें हिंदू पुराणों के कई संदर्भों के साथ अलग-अलग दिव्य किरदार देखने को मिल सकते हैं। अक्षय-राणा इससे पहले 'बेबी' में साथ नजर आ चुके हैं।

रणदीप हुड्डा ने याद किए 'मैचबॉक्स' की शूटिंग के दिन

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म 'मैचबॉक्स: द मूवी' के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। इसमें कई जगह वह पत्नी लिन और फिल्म के बाकी एक्टरों के साथ एंजॉय करते नजर आए। वहीं दूसरी खास फोटो में वह स्टार जॉन सीना के साथ भी दिखाई दिए। इस फोटो में दोनों ही अभिनेता काफी खुश नजर आ रहे थे। रणदीप हुड्डा ने फोटोज के साथ एक शानदार कैप्शन भी लिखा। उन्होंने इन फोटोज को कैप्शन देते हुए लिखा, 'मैचबॉक्स मेरे एक्सटेंशन टीम के दोस्तों से मिलने-जुलने और नई यादें बनाने का एक शानदार बहाना था।' इसके साथ ही फिल्म के निर्देशक सैम हर्शेव के लिए लिखा, 'हमें फिर से थोड़ा साथ खेलने का मौका मिला... सैम, फिर से खेलो।' 'मैचबॉक्स: द मूवी 2026 में रिलीज हुई एक अमेरिकी एक्शन कॉमेडी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन सैम हर्शेव ने किया है इस फिल्म की पटकथा डेविड कॉमिंगशाल ने लिखी है। यह फिल्म मेटल के खिलाता ब्रांड मैचबॉक्स पर आधारित है। इसमें रणदीप हुड्डा के अलावा जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो और टैयाना पैरिस ने अहम किरदार निभाए हैं।



कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ टीवी पर वापसी की

अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। कांची ने कहा, 'मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूँ बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूँ। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूँ।' उन्होंने कहा, 'पति, पत्नी और पंगा' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूँ, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूँ और ऐसे काम चुनना चाहती हूँ



विवकी कौशल की 'महावतार' में तारा सुतारिया की हो सकती है एंट्री

विवकी कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म 'महावतार' की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। फिल्म में विवकी के अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तारा के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तारा ने भी इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक

फिल्म्स कर रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'महावतार' की कार्टिंग को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार बदलाव हो रहे हैं। मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं, जो फिल्म की भव्य और काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। वहीं 'छावा' के बाद 'महावतार' विवकी और मैडॉक फिल्म्स की ये एक और बड़ी फिल्म है।



ऑस्ट्रेलियाई सांसद हेलेन हेन्स पर जानलेवा हमला: कार से कुचलने के बाद एक पैर काटना पड़ा

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेंस पर उनके चुनाव कार्यालय के बाहर जानलेवा हमला हुआ है। विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा शहर में एक कार चालक ने जानबूझकर उन्हें दो बार कुचला, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। 65 वर्षीय सांसद की आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें उनका एक पैर काटना पड़ा, जबकि दूसरे पैर को बचाने का प्रयास जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टोयोटा लैंडक्रूजर कार ने पहले हेन्स को टक्कर मारी, फिर यू-टर्न लेकर उन्हें दोबारा कुचला और अपनी कार के साथ दबा दिया। घटना के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से मेलबर्न के अल्फ्रेड अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर नजर रख रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने जानबूझकर किया गया हमला बताया है, यह कहकर कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती। पुलिस ने घटनास्थल से 43 वर्षीय ब्रेडन नूजट को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

आरोपी के परिवार ने घटना पर दुख जताकर कहा कि हेन्स उनके 20 वर्षों से अधिक समय से मित्र रही हैं। उन्होंने ब्रेडन के पिछले कुछ महीनों से अजीब बर्ताव को लेकर चिंता जाहिर की थी। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं बढ़ा रही है। हेलेन हेन्स 2019 से संधीय संसद में इंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और अपने स्थानीय मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाती हैं। पुलिस फिलहाल एक अलग-थलग घटना मान रही है और व्यापक समुदाय के लिए किसी अतिरिक्त खतरे की सूचना नहीं है।

सऊदी और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद देता रहेगा: चौधरी

–गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, यह रक्षात्मक गठबंधन है इस्लामाबाद,एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर पाक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि सऊदी अरब की संप्रभुता, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और वहां के धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद दे रहा है और आगे भी देता रहेगा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा और इस्लाम के दो पवित्र मस्जिदों की रक्षा पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अहम है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की ओर से प्रत्यक्ष सैन्य सहायता के किसी भी अनुरोध पर 'विचार' कर सकता है, जिसका अर्थ है कि पाकिस्तानी सेना अब इसी हतियारों से लड़ने का विकल्प खुला रख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने हतियारों के हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को 'गुप्त' वाली बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सऊदी अरब और वहां के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के मामले में कोई सवाल या समझौते की गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने को बाकी सदस्यों पर भी हमला माना जाएगा। हालांकि, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने साफ किया कि इस गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह रक्षात्मक गठबंधन है।



यूरोप के 6 देशों में महंगाई, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा के खिलाफ प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट

न्यूयॉर्क,एजेंसी। यूरोप के छह देशों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस, इटली, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम और अल्बानिया में लोगों ने सड़कों पर उतरकर सरकारों की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। कई जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। फ्रांस में छात्र हॉस्टल सहित कई शहरों में आगजनी और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं, जबकि ग्रीस में छात्र हॉस्टल की कमी और महंगी किराए के विरोध में संसद के बाहर धरने पर बैठ गए। फ्रांस में 17 अक्टूबर को करीब 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब आठ लाख लोग सड़कों पर उतरे। पेरिस, मार्सेई और बोर्डो में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुईं। लीमोजन में ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगने की खबर सामने आई। 18 अक्टूबर तक करीब 1,800 लोगों को गिरफ्तार करने और 500 से अधिक सुरक्षाकर्मियों तथा दमकलकर्मियों के घायल

होने की जानकारी दी गई। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने हिंसा की निंदा की। वहीं एक और यूरोपीय देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग की। महंगी शिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 17 अक्टूबर को हिंसक हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथर और पेट्रोल बम फेंक दिए। इस दौरान कुछ सरकारी कार्यालयों और इमारतों को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौखारों का इस्तेमाल किया। इटली और स्पेन में महंगाई व आवास संकट बड़ा मुद्दा - इटली में छात्रों और कर्मचारियों ने महंगाई, कम वेतन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मिलान में आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने हिंसा की कड़ी निंदा की। पीएम मेलोनी ने

प्रदर्शनकारियों से संयम बरताने की अपील की है। वहीं, स्पेन के 50 से अधिक शहरों में लोगों ने बढ़ते किराए और बेदखली के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने किराया कम करने और किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने की मांग की। ग्रीस की राजधानी एथेंस में छात्र सस्ते हॉस्टल, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की मांग को लेकर संसद के बाहर तंबू लगाकर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि महंगे किराए और सीमित आवास सुविधाओं के कारण पढ़ाई जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है। बेल्जियम में सरकारी नीतियों का विरोध - वहीं बेल्जियम में ट्रेड यूनियनों और छात्रों ने सरकारी खर्च में कटौती, शिक्षा सुधार और वेतन संबंधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। इन प्रदर्शनों में महंगी, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं।

पुतिन ने दिया ट्रंप-जिनपिंग के साथ बैठक का प्रस्ताव, जैलेंस्की को नहीं बुलाया

-यह बैठक 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन में एपीईसी समेलन में हो सकती है

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव दिया है, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक यह बैठक अगले महीने 18 और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन शहर में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। इस संभावित बैठक की सबसे खास बात यह है कि इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की को शामिल करने की कोई योजना नहीं है।

इस बैठक पर अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है और चीन ने अमेरिकी अधिकारियों से इस प्रस्ताव को लेकर जानकारी मांगी है। यदि तीनों नेताओं की मुलाकात होती है, तो इसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा हो सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री



माकों रुबियो ने 19 अक्टूबर को पुष्टि की कि बैठक को लेकर बातचीत हुई है, लेकिन कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध समाप्त करने के हर संभव रास्ते पर विचार करने को तैयार हैं। ट्रंप ने स्वयं भी पुतिन और जिनपिंग से ज़ेलेंस्की के बिना मिलने की इच्छा व्यक्त की है, हालांकि उन्होंने बैठक होने की पुष्टि नहीं की।

वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने इस विचार को शुरुआती

स्तर का बताया जबकि चीन के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उन्हें जानकारी दिए बिना यूक्रेन की स्टारलिक इंटरनेट सेवा पर पारबर्दियां लगाई हैं, जो यूक्रेनी सेना के लिए अहम है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने रूस, अमेरिका और चीन के बीच संभावित बैठक पर आपत्ति जताई है। उनका मानना ​​है कि यूक्रेन को बातचीत से बाहर रखना रूस को युद्ध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर युद्ध समाप्त करने में रुचि न दिखाने का भी आरोप लगाया है। इस मुलाकात से यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंधों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि वे यूक्रेन का समर्थन करते हैं।

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव: प्योंगयांग की धमकी पर सोल का सख्त जवाब



दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सीमा की स्थिति को बेहद अस्थिर बताया और उल्टा दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

यह विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक बारूदी सुरंग विस्फोट के

बाद और बढ़ गया था, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दक्षिणी हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते हुए सैन्य

सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं को जवाब में सैनिकों के तौर पर गोलियां चलाई और लाउडस्पीकर से संदेश प्रसारित किए, जिन्हें किम यो जोंग ने उकसावे वाला बताया और जवाबी कदम उठाने की बात कही। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने उत्तर कोरिया की धमकियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी वाले प्रसारण और गोलियां चलाना उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकने के लिए वैध रक्षात्मक उपाय हैं। मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। साथ ही, प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत के प्रयासों का जवाब देने की अपील भी की गई।

ट्रंप ने एलन मस्क को बताया महान दोस्त: स्पेसएस शेयर घोषणा पर दिया धन्यवाद

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिजनेसमैन एलन मस्क को महान दोस्त करार दिया है। उन्होंने मस्क की जमकर तारीफ की और स्पेसएक्स के एक अहम फैसले के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मस्क ने हाल ही में घोषणा की है कि वे अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को अपनी कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। ट्रंप ने दृढ़ पर एक पोस्ट के जरिए मस्क को धन्यवाद देते हुए कहा, लीजेंडरी फेंड एलन मस्क को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने लाखों अमेरिकी बच्चों को स्पेसएक्स के शेयर देने की घोषणा की है! ट्रंप ने यह भी बताया कि ट्रंप अकाउंट्स का गठन इसी उद्देश्य से किया गया था, ताकि निजी क्षेत्र और प्रमुख हस्तियों को बच्चों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे वे अमेरिकन ड्रीम का हिस्सा बन सकें। स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मस्क ने खुद इस पहल की पुष्टि करते हुए लिखा, अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार की पहली पहल होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब मस्क निजी एयरोस्पेस और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के सबसे बड़े शेयरहोल्डर बने हुए हैं। हाल ही में जारी दस्तावेजों के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की 48.4 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उनके पास लगभग 6.42 अरब शेयर हैं, जिसमें वलास ए शेयर और ट्रस्ट के माध्यम से रखे गए वलास बी शेयर शामिल हैं, जहां वह ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं।



मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का अलर्ट, 11 देशों में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच अमेरिका ने 11 देशों और क्षेत्रों में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया है। अमेरिकी राजनयिक मिशनों ने नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा परिस्थितियों में अचानक बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। चेतावनी में हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा योजनाओं में बाधा आने की आशंका जाहिर की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान और उसके समर्थन वाले हूती समूहों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों का भी उल्लेख किया है।

अमेरिका ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कतर, इराक, लेबनान, यमन और इजरायल में अपने नागरिकों को सतर्क रहने को कह दिया है। अमेरिकी मिशनों के अनुसार, क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर अमेरिकी हितों, कंपनियों और संस्थानों को टारगेट करने का खतरा हो सकता है। हालांकि, अलर्ट का मतलब यह नहीं है कि सभी संबंधित देशों में हवाई अड्डे बंद हो गए हैं या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने नागरिकों से कहा है कि वे अपनी उड़ानों की जानकारी संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डों से सीधे प्राप्त करें। इराक में बगदाद, इरबिल, बसरा और सुलेमानिया हवाई अड्डों की स्थिति जांचने को कहा गया है। वहीं, लेबनान में बेरूत स्थित रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ानों के समय में बदलाव या अचानक रद्द होने की आशंका को देखते हुए यात्रियों को वैकल्पिक योजनाएं तैयार रखने के लिए भी कहा गया है। अमेरिकी

चेतावनियों में सऊदी अरब पर हूती समूहों के संभावित हमलों और नागरिक हवाई अड्डों सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने के जोखिम का उल्लेख किया गया है। ईरान के लिए अमेरिकी वचुअल दूतावास को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के स्मार्ट टैब्लर और पहले से मौजूद अमेरिकी नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह देहराई है।

नागरिकों को क्या सावधानी बरतनी चाहिए? अमेरिकी मिशनों ने नागरिकों को प्रदर्शन और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने, लोकल

समाचारों पर नजर रखने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। फोन चार्ज रखने तथा अमेरिकी संस्थानों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह भी दी गई है। इसके अलावा, नागरिकों को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के स्मार्ट टैब्लर एनरोलमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी) में पंजीकरण कराने को कहा गया है, ताकि उन्हें सुरक्षा से जुड़े ताजा अपडेट मिल सकें। यमन में गंभीर सुरक्षा जोखिमों के कारण अमेरिकी नागरिकों के लिए आपातकालीन सहायता सीमित हो सकती है।

इटली में हिंसक प्रदर्शन जारी, पीएम

मेलोनी ने बुलाई आपात बैठक

270 प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में, भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी

रोम, एजेंसी। फ्रांस के बाद इटली में बढ़ती महंगाई, महंगी होती रोजमर्रा की जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। मिलान समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों, दुकानों में लूटपाट और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने सोमवार को सार्वजनिक व्यवस्था की स्थिति पर हाइलेवल बैठक की। इटली की पीएम जोर्जिया मेलोनी ने मिलान में हुई हिंसा पर आपात बैठक बुलाई। मिलान में दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाओं के बाद कम से कम 270 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें अधिकतर नाबालिग बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों में से 32 को गिरफ्तार किया गया। इनमें 23 नाबालिग और 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और

दुकानों में लूटपाट की। हालात को नियंत्रित करने के लिए दंगा-रोधी उपकरणों से लैस पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौखारों का इस्तेमाल किया। इस बीच इटली में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूतावास ने एडवाइज़री जारी की है। इसमें भारतीयों को सतर्क रहने, भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रदर्शन स्थलों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में भारतीय नागरिक के लिए नंबर जारी किए हैं— भारतीय दूतावास, रोम+ +39 331 614 2085,- भारत का महावाणिज्य दूतावास, मिलान+ +39 3881647527। एडवाइज़री में कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति में भारतीय नागरिक संबंधित भारतीय मिशन से संपर्क करें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। बता दें इटली में यह प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन हुए इससे पहले शनिवार को मिलान, बोलो尼亚, ब्रेसिया, बर्गामो और ट्यूरिन समेत उत्तरी इटली के कई शहरों में प्रदर्शन हुए थे। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार की हिसा के सिलसिले में 28 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था।